रविवार 25 जनवरी 2026 ■ मूल्य 3.00 ■ वर्ष 03 ■ अंक 310 ■ पृष्ठ 08

गौतमबुद्ध नगर

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 कन्यादान नहीं, सम्मान चाहिए | 07 भारत की निगाह श्रृंखला जीतने पर इशान किशन ने बढ़ाया ... | तापसी पन्नू की फिल्म 'अस्सी' का मोशन पोस्टर रिलीज 08

व्यापार समझौते युवाओं के लिए नये अवसर खोल रहेः मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगार मेले में 61 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नये अवसर पैदा करने के वास्ते विभिन्न देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। मोदी ने यह बात 18वें रोजगार मेले में कही, जहां उन्होंने विभिन्न सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सौंपे। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित रोजगार मेलों को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत कई देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। ये व्यापार समझौते देश के युवाओं के लिए नये अवसर लेकर आ रहे हैं।

मोदी ने कहा कि दुनिया में युवाओं की सबसे अधिक संख्या भारत में है और उनकी सरकार देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नये अवसर पैदा करने के प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने नियुक्ति पत्र हासिल करने वाले अभ्यार्थियों से अपील की कि वे इन्हें (नियुक्ति पत्रों को) राष्ट्र निर्माण में शामिल होने के निमंत्रण और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करने की प्रतिज्ञा के रूप में लें। मोदी ने युवाओं से पिछले वर्षों में सरकारी कार्यालयों में अपने अनुभवों को याद करने को कहा और उनसे आग्रह किया कि वे अपने कार्यकाल के दौरान नागरिकों को ऐसी कठिनाइयों का सामना न करने देने का संकल्प लें। मोदी ने युवाओं से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय 'नागरिक देवो भव' (नागरिक भगवान के समान है) के आदर्श वाक्य के साथ काम करने का भी आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में सरकार ने आधुनिक बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व निवेश किया है, जिससे निर्माण से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भारत की स्टार्टअप पारिस्थितिकी का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिसमें लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप 21 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि 'डिजिटल इंडिया' ने एक नयी अर्थव्यवस्था का विस्तार किया है, जिसमें भारत एनिमेशन, डिजिटल मीडिया और कई अन्य क्षेत्रों में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, ''आज देश ने जीवन और व्यापार, दोनों को आसान बनाने के उद्देश्य से सुधार की रफ्तार पकड़ ली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में अगली पीढ़ी के सुधारों से युवा उद्यमियों और लघु एवं मध्यम उद्यमों को लाभ हुआ है, जबकि ऐतिहासिक श्रम सुधारों ने श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है, जिससे व्यवसायों को भी फायदा हुआ है। मोदी ने रेखांकित किया कि नये श्रम कानूनों ने सामाजिक सुरक्षा के दायरे को विस्तृत और सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को साकार करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है। बयान में कहा गया कि इसकी शुरुआत के बाद से देशभर में आयोजित रोजगार मेलों के जरिये 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। बयान के मुताबिक, 18वां रोजगार मेला देशभर में 45 जगहों पर आयोजित किया गया और भारत के सभी हिस्सों से चयनित नव-नियुक्त कर्मचारी सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में शामिल हुए। नव-नियुक्त कर्मी गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग आदि में सेवाएं देंगे।

प्रधानमंत्री ने कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर उन्हें शनिवार को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने ठाकुर को याद करते हुए कहा कि समाज के शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों का उत्थान उनकी राजनीति के केंद्र में हमेशा रहा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित जननायक कर्पूरी ठाकुर को उनकी जयंती पर सादर नमन।'' उन्होंने कहा, ''अपनी सादगी और जनसेवा के प्रति समर्पण भाव को लेकर वह सदैव स्मरणीय एवं अनुकरणीय रहेंगे।'' 'जननायक' के नाम से लोकप्रिय ठाकुर को 2024 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। कर्पूरी ठाकुर का जन्म बिहार के समस्तीपुर जिले के एक गांव में 24 जनवरी 1924 को हुआ था।

रोजगार मेला मिशन मोड पर: मोदी

सरकारी भर्तियों को भी कैसे मिशन मोड पर किया जाए इसलिए रोजगार मेले की शुरुआत की गई। रोजगार मेला एक इंस्टिट्यूशन बन गया है। भारत की युवा शक्ति के लिए नए अवसर बने ये हमारा प्रयास है। हम कई ट्रेड एग्रीमेंट कर रहे हैं। इससे अनेकों अवसर आने वाले हैं।

दुनिया के सबसे युवा देशों में भारतः पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि भारत की युवा शक्ति के लिए ज्यादा अवसर पैदा हों। इसके लिए, भारत कई देशों के साथ व्यापार और मोबिलिटी समझौते कर रहा है।

भारत पर बढ़ रहा दुनिया का भरोसाः पीएम

पीएम मोदी ने कहा, आज भारत पर जिस तरह दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है, वो भी युवाओं के लिए अनेक नई संभावनाएं बना रहा है। भारत दुनिया की एकमात्र इकॉनमी है जिसने महज एक दशक में जीडीपी को दोगुना किया है। पीएम मोदी ने कहा, भारत में खूब विदेशी निवेश हो रहा है। आज भारत डिफेंस, दवाएं, ऑटो समेत कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है। 2014 के बाद से भारत के इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में 6 गुना वृद्धि हुई है। आज ये 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक की इंडस्ट्री है।

'तकनीक और 'नागरिक देवो भवः' का मंत्र'

पीएम ने बदलते समय के साथ खुद को अपग्रेड करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए बने 'iGOT कर्मयोगी' प्लेटफॉर्म की सफलता की सराहना की, जिससे अब तक करीब 1.5 करोड़ कर्मचारी जुड़ चुके हैं। उन्होंने नए नियुक्त अधिकारियों को 'नागरिक देवो भवः' का मंत्र देते हुए सेवा भाव से काम करने की सलाह दी।

'महिला सशक्तिकरण और रिफॉर्म एक्सप्रेस'

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि इस बार 8,000 से ज्यादा बेटियों को सरकारी सेवा में प्रवेश मिला है। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी लगभग दोगुनी हो गई है। देश की प्रगति को 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य जीवन और व्यापार दोनों को आसान बनाना है।

संक्षिप्त खबरें

ICC ने T20 विश्व कप से बांग्लादेश को बाहर किया, स्कॉटलैंड शामिल

नई दिल्ली। आईसीसी ने बांग्लादेश को आगामी टी20 विश्व कप से बाहर कर उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया है क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपनी टीम भारत भेजने से इनकार कर दिया था। स्कॉटलैंड के शामिल होने से एक महीने से चल रहा असंमजस खत्म हो गया क्योंकि बीसीबी लगातार जोर दे रहा था कि उनके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित किए जाएं और यहां तक कि उसने अपने ग्रुप को आयरलैंड के साथ बदलने का भी सुझाव दिया था। हालांकि आयरिश क्रिकेट बोर्ड ने इस सुझाव को साफ तौर पर खारिज कर दिया।

डिजिटल अरेस्ट कर 15 करोड़ ठगने वाले आठ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने डिजिटल अरेस्ट करके बुजुर्गों को डराकर करोड़ों की ठगी करने के मामले में उत्तर प्रदेश, गुजरात और ओडिशा से आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस के पुलिस उपायुक्त विनित कुमार ने शनिवार को बताया कि यह गिरोह कंबोडिया और नेपाल से संचालित हो रहा था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान पटेल दिव्यांग (30), शितोले कृतिक (26), अरुण कुमार तिवारी (45), महावीर शर्मा उर्फ नील (27), प्रद्युम्न तिवारी, अंकित मिश्रा, भूपेंद्र कुमार और आदेश कुमार (36) के रूप में हुयी है। उन्होंने बताया कि 77 वर्षीय पीड़िता को 24 दिसंबर 2025 को एक फोन कॉल आया, जिसमें बताया गया कि उनके नाम से जारी सिम कार्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शामिल है। **विस्तृत खबर पेज 3 पर...**

हर चुनौती के लिए तैयार रहें युवा एनसीसी कैडेट्स से लें प्रेरणाः राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में युवाओं को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से मजबूत रहते हुए हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने युवाओं को एनसीसी कैडेट्स से प्रेरणा लेने की अपील की। राजनाथ सिंह ने दिल्ली कैंट में आयोजित एनसीसी गणतंत्र दिवस कैंप को संबोधित करते हुए एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र की दूसरी पंक्ति की रक्षा वाहिनी बताया और कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट योगदान दिया। भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकियों को नष्ट कर साहस और संयम का परिचय दिया। उस समय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने देशभर में मॉक ड्रिल्स करके लोगों को जागरूक किया था। उन्होंने युवाओं को महाभारत के अभिमन्यु की तरह बताया जो किसी भी चक्रव्यूह में प्रवेश कर विजय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भूमिका को निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं को अनुशासन, देशभक्ति और धैर्य सिखाता है। परेड, ड्रिल और कैंप उन्हें आरामदायक जीवनशैली से बाहर निकालकर मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कैडेट्स को जीवन में केवल प्लान-ए ही नहीं बल्कि प्लान-बी और प्लान-सी भी तैयार रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी से प्रशिक्षित कई लोग देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना की शुरुआत की

लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओडीओसी) योजना की शुरुआत की। इसका मकसद राज्य के 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) कार्यक्रम की तर्ज पर हर जिले के पारंपरिक खाने-पीने की खास चीजों को एक अलग पहचान देना है।

ओडीओसी योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर यहां राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई। ओडीओपी योजना ने उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने

में मदद की है। एक अधिकारी ने बताया कि इसी सफलता को आगे बढ़ाते हुए, ओडीओसी योजना का मकसद इसी तरह जिले-विशिष्ट व्यंजनों और पारंपरिक 'रेसिपी' को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से पारंपरिक हलवाई, छोटे खाद्य उद्यमी और स्थानीय कारीगरों को फायदा होने की उम्मीद है, क्योंकि इससे उनके खास व्यंजन बड़े और यहां तक कि वैश्विक बाजारों तक पहुंचेंगे, साथ ही जमीनी स्तर पर स्थायी आजीविका के अवसर भी पैदा होंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री व भजापा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

केवाईसी अपडेट के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाला साइबर गिरोह का भंडाफोड़

झारखंड व बंगाल से 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने केवाईसी अपडेट के बहाने बैंक ग्राहकों को ठगने वाले बड़े अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस संबंध में झारखंड (जामताड़ा-धनबाद क्षेत्र) और पश्चिम बंगाल से चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जो खुद को बैंक अधिकारी बताकर लोगों को जाल में फंसाते थे। आरोपितों के पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और ठगी से जुड़े डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शिव कुमार रविदास (22), संजय रविदास (33), दिनेश रविदास (29) और शुभम कुमार बरनवाल (25) के रूप में हुई है। यह गिरोह बैंक के नाम पर कॉल और व्हाट्सऐप संदेश भेजकर पीड़ितों को केवाईसी अपडेट का झांसा देता था। इसके बाद उन्हें एपीके फाइल इंस्टॉल करवाकर मोबाइल और बैंकिंग ऐप्स पर अवैध रूप से नियंत्रण हासिल कर लेता था। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने शनिवार को बताया कि इस मामले की शुरुआत सागरपुर निवासी महिला की शिकायत से हुई। पीड़िता ने बताया कि 13 दिसंबर 2025 को उसे अज्ञात नंबरों से कॉल और व्हाट्सऐप संदेश आए, जिसमें खुद को बैंक अधिकारी बताकर केवाईसी अपडेट की तत्काल जरूरत बताई गई। पीड़िता को एक लिंक भेजा गया, जिस पर क्लिक करते ही उसका मोबाइल हैक हो गया। इसके दो दिन बाद, 15 दिसंबर 2025 को पीड़िता को मैसेज मिले कि उसके एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड पर 8.33 लाख रुपये का लोन प्रोसेस हो गया है और 5 लाख व 3.30 लाख रुपये की अवैध निकासी हो चुकी है।

पीड़िता ने किसी भी तरह के लोन या लेनदेन से इनकार किया, जिसके बाद साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक की देखरेख में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी जांच में सामने आया कि आरोपित झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच लगातार लोकेशन बदलकर वारदात को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने धनबाद जिले के निरसा थाना क्षेत्र में छापा मारकर तीन आरोपितों को खुले खेत में बैठकर लोगों को ठगी के कॉल करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। बाद में चौथे आरोपित को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि शिव कुमार रविदास एपीके फाइल और म्यूल बैंक खातों की व्यवस्था करता था। संजय और दिनेश पीड़ितों को कॉल कर बैंक अधिकारी बनकर बात करते थे, जबकि शिव कुमार और शुभम एटीएम व पीओएस मशीनों के जरिए ठगी की रकम निकालते थे। जांच में आरोपितों के मोबाइल से एपीके फाइलें, व्हाट्सऐप चैट, बैंक डिटेल्स वाली एक्सेल शीट और लेनदेन से जुड़े मैसेज बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से 10 मोबाइल फोन, 13 सिम कार्ड, एटीएम निकासी के दौरान पहने गए कपड़े और अन्य डिजिटल सबूत बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह एक संगठित और प्रशिक्षित साइबर ठग गिरोह है, जो देशभर में लोगों को निशाना बना रहा था।

अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़, 11 लग्जरी कारें बरामद

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिला की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड ने देशभर में सक्रिय वाहन चोरी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे और निशानदेही पर अलग-अलग राज्यों से 11 चोरी की लग्जरी गाड़ियां बरामद की हैं, जिनमें फॉर्च्यूनर, क्रेटा, ब्रेजा और अन्य महंगी कारें शामिल हैं। पुलिस के अनुसार यह गिरोह चोरी और लोन डिफॉल्ट वाहनों के चेसिस नंबर से छेड़छाड़ कर, टोटल लॉस वाहनों के चेसिस नंबर का दुरुपयोग करते हुए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनका पंजीकरण कराता था। इसके बाद इन गाड़ियों को सस्ते दामों पर भोले-भाले खरीदारों को बेच दिया जाता था। दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने शनिवार को बताया कि मामले की शुरुआत 28 दिसंबर 2025 को थाना जामिया नगर में दर्ज एक ई-एफआईआर से हुई। जिसमें एक मारुति एस-प्रेसो कार चोरी होने की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान पुलिस को संगठित गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी मिली। जिसके बाद मामले की जांच एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड को सौंपी गई। तकनीकी और गोपनीय सूचना के आधार पर मुंबई के बांद्रा निवासी कुनाल सुभाष जायसवाल (23) को गिरफ्तार किया गया, जो गिरोह का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। उसके पास से दिल्ली से चोरी की गई एक हुंडई क्रेटा बरामद की गई। पूछताछ में मिले सुरागों पर पुलिस टीम ने मुंबई के धारावी इलाके से मोहम्मद अमान (25) को दबोचा, जो सेकेंड हैंड कारों का कारोबार करता था। आगे की कार्रवाई में महाराष्ट्र के पुणे, कोल्हापुर और जलना सहित अन्य स्थानों से कई चोरी की गाड़ियां बरामद की गईं। इसके बाद 20 जनवरी 2026 को मुख्य वाहन चोर काशिफ, निवासी बुलंदशहर (उप्र), को भी गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके पास से एक चोरी की वैगन-आर कार मिली। जांच में सामने आया है कि आरोपित दिल्ली से वाहन चोरी कर महाराष्ट्र भेजते थे, जहां उनके चेसिस नंबर बदलकर फर्जी कागजात तैयार किए जाते थे। अब तक पुलिस ने कुल 11 हाईएंड चोरी की गाड़ियां बरामद कर ली हैं। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और आगे और वाहनों की बरामदगी की संभावना जताई जा रही है।

दिल्ली में पुलिस मुठभेड़ के बाद खतरनाक स्नैचर गिरफ्तार, पिस्तौल और लूट के मोबाइल बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के साउथ ईस्ट जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) और थाना पुल प्रहलादपुर की संयुक्त टीम ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई की। टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद एक वांटेड और खतरनाक स्नैचर को गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान किसी पुलिसकर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 6 लूटे/छीने गए मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल और एक अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान 22 वर्षीय सतीश भाटी के रूप में हुई है, जो एक आदतन अपराधी बताया जा रहा है। यह कार्रवाई एमबी रोड के पास की गई, जहां पुलिस टीम को आरोपी की मौजूदगी की सूचना मिली थी। पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने पर आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई और सतर्कता के चलते पुलिस ने आरोपी को काबू में कर लिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि सतीश भाटी और उसके एक साथी ने 22 जनवरी को एक ही दिन में स्नैचिंग की चार वारदातों को अंजाम दिया था। ये घटनाएं कालकाजी, अमर कॉलोनी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया और पुल प्रहलादपुर थाना क्षेत्र में हुई थीं। आरोपी राह चलते लोगों को निशाना बनाकर मोबाइल फोन छीनने और लूट की वारदातों में शामिल था। पुलिस ने आरोपी के पास से बरामद पिस्तौल, मोटरसाइकिल और मोबाइल फोनों को जब्त कर लिया है। बरामद मोबाइल फोनों के संबंध में संबंधित थानों में दर्ज मामलों से मिलान किया जा रहा है। वहीं, आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है और उसके फरार साथी की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। इस मामले में आगे की जांच जारी है और कई खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

फास्टैग और अमेज़न गिफ्ट कार्ड के जरिए धोखाधड़ी करने वाले आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले की साइबर थाना पुलिस टीम ने फास्टैग और अमेजनगिफ्ट कार्ड के जरिए धोखाधड़ी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सिम कार्ड और बैंकिंग से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दराड़े शरद भास्कर ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि पश्चिमी जिले की साइबर थाना पुलिस को एक शिकायत मिली थी। जिसमें पीड़ित ने बताया कि उसके व्हाट्सऐप पर ई-चालान का संदेश आया था, जिसमें एक एपीके फाइल संलग्न थी। फाइल खोलते ही मोबाइल फोन हैक हो गया और क्रेडिट कार्ड से एक लाख रुपये से अधिक की राशि धोखाधड़ी से कट गई। रकम एक लाख रुपये से अधिक होने के कारण शिकायत स्वतः ई-एफआईआर में परिवर्तित हो गई और जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि ठगी की गई राशि पहले फास्टैग भुगतान में इस्तेमाल की गई और बाद में उसे अमेजनगिफ्ट कार्ड में बदल दिया गया। यह रकम एक प्राइवेट बैंक के एक पूल अकाउंट में जमा की जाती थी। जिससे कई फास्टैग जुड़े हुए थे। तकनीकी जांच, वाहन स्वामित्व सत्यापन और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पाया कि यह पूरा साइबर फ्रॉड ऑपरेशन राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के घड़साना क्षेत्र से संचालित किया जा रहा था। इसके बाद इंस्पेक्टर विकास कुमार के नेतृत्व में एसआई सुनील कुमार, एएसआई संदीप पूनिया और कांस्टेबल करमबीर की टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घड़साना में छापेमारी की। वहां "बंसारी कंपनी" नाम से संचालित एक फर्म मिली, जहां से पूरी तरह सुसज्जित साइबर ठगी का सेटअप बरामद हुआ। इस दौरान दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। जिनकी पहचान घनश्याम उर्फ जीबी बॉस उर्फ सोनू (29) और नरेश कुमार उर्फ कालू (27) के रूप में हुई। पूछताछ में मुख्य आरोपित घनश्याम ने बताया कि उसने "बंसारी ब्रदर्स एंड वेंचर्स" के नाम से फर्म खोलकर ई-मित्र सेवाओं के जरिए बिजली बिल आदि के भुगतान का काम शुरू किया था। कम मुनाफा होने पर उसने अपने बैंक खातों का दुरुपयोग कर साइबर ठगी की रकम को फास्टैग के माध्यम से घुमाकर अमेजनगिफ्ट कार्ड में बदलने की साजिश रची। पुलिस ने आरोपितों के पास से 10 लैपटॉप, 70 मोबाइल फोन, 37 एटीएम कार्ड, 10 बैंक पासबुक, 467 सिम कार्ड, पांच फास्टैग और एक पीओएस मशीन बरामद की है। इतनी बड़ी मात्रा में उपकरणों की बरामदगी से यह साफ है कि गिरोह कई राज्यों में संगठित रूप से साइबर अपराध को अंजाम दे रहा था।

मौजपुर के कैफे में युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के मौजपुर इलाके में शुक्रवार देर रात एक कैफे के अंदर अज्ञात हमलावरों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात वेलकम थाना क्षेत्र स्थित एक कैफे में रात करीब 11:28 बजे हुई। घटना के बाद इलाके में अफरा तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में कानून-व्यवस्था को लेकर भारी नाराजगी देखी गई। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार रात 11:28 बजे वेलकम थाने को फायरिंग की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां कैफे के अंदर एक युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा मिला। उसकी पहचान फैजान उर्फ फज्जी (24) के रूप में हुई। पुलिस ने तत्काल उसे जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुलाया गया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच हर एंगल से की जा रही है। कैफे के स्टाफ से पूछताछ की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। पुलिस की कई टीमें आरोपितों की तलाश में जुटी हैं। वहीं मृतक के भाई सलमान ने आरोप लगाया कि फैजान शुक्रवार शाम करीब 8:30 बजे अपने दोस्त के कैफे में गया था। वहां उस पर तीन गोलियां चलाई गईं—एक सिर में और दो सीने में।

सलमान के अनुसार, फैजान की हत्या पैसों के लेनदेन के विवाद में की गई है। आरोप है कि आरोपित ने फैजान से करीब 30 हजार रुपये उधार लिए थे, जो वह वापस नहीं कर रहा था। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। सलमान ने यह भी दावा किया कि आरोपित ने पहले भी फैजान पर हमला किया था, जिसकी शिकायत भजनपुरा थाने में दर्ज कराई गई थी। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में फायरिंग, लूट और झगड़ों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। लोगों ने सवाल उठाए कि गणतंत्र दिवस जैसे बड़े राष्ट्रीय आयोजन से पहले भी अगर अपराधी खुलेआम गोलीबारी कर हत्या कर रहे हैं, तो आम दिनों में आम लोगों की सुरक्षा की क्या गारंटी है।

डिजिटल अरेस्ट कर 15 करोड़ ठगने के मामले में उप्र, गुजरात, ओडिशा से आठ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने डिजिटल अरेस्ट करके बुजुर्गों को डराकर करोड़ों की ठगी करने के मामले में उत्तर प्रदेश, गुजरात और ओडिशा से आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस के पुलिस उपायुक्त विनित कुमार ने शनिवार को बताया कि यह गिरोह कंबोडिया और नेपाल से संचालित हो रहा था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान पटेल दिव्यांग (30), शितोले कृतिक (26), अरुण कुमार तिवारी (45), महावीर शर्मा उर्फ नील (27), प्रद्युम्न तिवारी, अंकित मिश्रा, भूपेंद्र कुमार मिश्रा और आदेश कुमार सिंह (36) के रूप में हुयी है।

उन्होंने बताया कि 77 वर्षीय पीड़िता को 24 दिसंबर 2025 को एक फोन कॉल आया, जिसमें बताया गया कि उनके नाम से जारी सिम कार्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शामिल है। इसके बाद उन्हें व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर फर्जी सीबीआई और पुलिस अधिकारी बनकर दिखाया गया और जाली गिरफ्तारी वारंट के जरिए डराया गया। आरोपितों ने व्हाट्सएप पर फर्जी कोर्ट की कार्यवाही तक करवाई और पीड़िता एवं उनके पति को लगातार वीडियो कॉल पर निगरानी में रखा। दंपति से कहा गया कि वे अपनी सभी जमा पूंजी, एफडी और शेयर निवेश की राशि तथाकथित 'आरबीआई अनिवार्य खाते' में जांच के लिए ट्रांसफर करें। ठगों ने भरोसा दिलाया कि जांच पूरी होते ही पूरी रकम वापस कर दी जाएगी। इस झांसे में आकर पीड़िता ने आठ अलग-अलग लेन-देन में कुल 14 करोड़ 84 लाख 26 हजार 954 रुपये ट्रांसफर कर दिए।

मामले की शिकायत पर 10 जनवरी 2026 को स्पेशल सेल, इएफएसओ थाना में संबंधित धाराओं में ई-एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद इएफएसओ की टीम ने डिजिटल फुटप्रिंट, बैंक खातों और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर देश के अलग-अलग हिस्सों में एक साथ छापेमारी की। जांच के दौरान गुजरात के वडोदरा से पटेल दिव्यांग को गिरफ्तार किया गया, जिसके खाते में पीड़िता से करीब चार करोड़ रुपये आए थे। इसके बाद वडोदरा, भुवनेश्वर, वाराणसी और लखनऊ से अन्य आरोपितों को दबोचा गया। गिरफ्तार आरोपितों में एनजीओ संचालक, प्राइवेट नौकरी करने वाले, डेटा एंट्री ऑपरेटर और कोचिंग देने वाले लोग भी शामिल हैं, जो म्यूल बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने और ठगी की रकम को इधर-उधर करने का काम कर रहे थे। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि सभी आरोपित अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह के इशारे पर म्यूल अकाउंट्स का संचालन कर रहे थे और ठगी की रकम को कई खातों में घुमाकर निकालते थे। आरोपितों के कब्जे से सात मोबाइल फोन और चेक बुक्स बरामद की गयी हैं। दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सीबीआई, पुलिस या आरबीआई के नाम पर आने वाले किसी भी कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें। किसी भी संदिग्ध कॉल की तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस का कहना है कि इस संगठित और गंभीर साइबर अपराध में शामिल अन्य लोगों की तलाश और धन के पूरे ट्रेल की जांच अभी जारी है।

दिल्ली-एनसीआर के मौसम में नरमी बरकरार, प्रदूषण से राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक मौसम में नरमी बनी रहने के आसार हैं, जिससे पिछले कुछ महीनों से जहरीली हवा का सामना कर रहे दिल्लीवासियों को प्रदूषण से भी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, आज और कल आंशिक रूप से बादल छाए रहने और उत्तर पश्चिम दिशा की ओर दोपहर में लगभग 20-30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलना जारी हैं। शाम में इसकी रफ्तार घटकर 12 किमी प्रति घंटा रह जाएगी। आज का अधितकम तापमान 17-19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को हवा की रफ्तार 15 किमी रहने और अधिकतम तापमान 17-19 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 4-6 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। सफदरगंज में आज 2 बजे तक न्यूनतम दृश्यता 500 मीटर, पालम में न्यूनतम दृश्यता 02:30 बजे 700 मीटर दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में दिल्ली का न्यूनतम तापमान 6-8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 8-11 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। यहां का अधिकतम तापमान 15-16 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6-8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रही। उत्तर और पश्चिम भारत में सुबह घना कोहरा छाया रहा। उत्तर भारत के जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड क्षेत्रों का मौसम अगले तीन दिनों जबकि लद्दाख का अगले पांच दिनों तक साफ रहने के आसार हैं। इन क्षेत्रों में कल भी यही स्थिति रहने का अनुमान है। वहीं हिमाचल प्रदेश के निचले क्षेत्रों में आज धुंध छाई रही और शीतलहर भी जारी रही। पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर, पश्चिमी और मध्य भारत में 26-27 जनवरी को हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं जबकि 27 जनवरी को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात होने का अनुमान है। पिछले 24 घंटे में जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में 50.8 सेमी, पहलगाम में 46 और काजीगुंड में 10 सेमी तक हिमपात दर्ज किया गया जबकि रामबन जिले में 12 सेमी, डोडा और उधमपुर में 7-7 सेमी, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में 10 सेमी तथा शिमला में 7 सेमी, उत्तराखंड में 9 सेमी, उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 9 सेमी और मेरठ में 4 सेमी तक वर्षा हुई।

विधानसभा परिसर को 25-26 जनवरी को तीन-तीन घंटे के लिए जनता के लिए खोला जाएगा : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली विधानसभा परिसर को 25 एवं 26 जनवरी को जनता के लिए शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक खोला जाएगा। इस अवसर पर नागरिक 115 वर्ष पुराने ऐतिहासिक विधानसभा परिसर का भ्रमण कर सकेंगे तथा उन्हें विधानसभा परिसर के महत्वपूर्ण विरासत स्थलों के बारे में जानकारी मिल पाएगी। गणतंत्र दिवस समारोह के अंतर्गत दोनों दिनों में एक प्रसिद्ध बैंड द्वारा देशभक्ति धुनों की जोशीली प्रस्तुति दी जाएगी, जिसके साथ साहित्य कला परिषद द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। सायंकाल के समय विधानसभा परिसर को विशेष रूप से तिरंगे की लाइटिंग से सजाया जाएगा, जिससे आगंतुक उत्सवपूर्ण और देशभक्ति से परिपूर्ण वातावरण को महसूस कर सकेंगे। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को एक बयान में दिल्लीवासियों से 25 एवं 26 जनवरी को विधानसभा परिसर में आकर सच्चे देशभक्ति भाव के साथ गणतंत्र दिवस मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस भारत की संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक आदर्शों की गौरवपूर्ण यात्रा को स्मरण कराता है। इस अवसर पर विधानसभा का भ्रमण नागरिकों को राष्ट्र के मूल्यों एवं विरासत से और अधिक गहराई से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा। दिल्ली विधानसभा सचिवालय के मुताबिक नागरिकों को गणतंत्र दिवस समारोह को प्रत्यक्ष रूप से देखने, ऐतिहासिक दिल्ली विधानसभा परिसर की भव्यता और गरिमा का अनुभव करने, उसकी स्थापत्य विरासत को जानने तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लोकतांत्रिक शासन में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को समझने का अवसर मिलेगा। देशभक्ति प्रस्तुतियां राष्ट्र के प्रति गर्व, एकता एवं सम्मान की भावना को जागृत करेंगी।

खेल का मैदान अनुशासन और टीमवर्क की पहली पाठशाला : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह के साथ मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में आयोजित वार्षिक खेल दिवस समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल बच्चों के जीवन में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। साथ ही खेल के मैदान में मिलने वाले अनुभव जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का मजबूत आधार बनते हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को पूरे मन से खेलने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा अपनाने और खेल के साथ निरंतर सीखते रहने के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर, अनुशासित और विकसित बनाने की दिशा में सबसे प्रभावी ब्रांड एंबेसडर बच्चे हैं। जब बच्चे अनुशासन का अभ्यास करते हैं, नियमों का पालन करते हैं और स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाते हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज में स्वतः दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करने में विद्यालय से बेहतर कोई मंच नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया किया कि आज के विद्यार्थी ही कल के नेतृत्वकर्ता बनकर दिल्ली को आदर्श, सशक्त और विकसित राजधानी के रूप में स्थापित करेंगे। मुख्यमंत्री ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल भावना, अनुशासन और समर्पण से ही स्वस्थ और सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

जनपद में धूमधाम से मनाया यूपी दिवस, सरकार की योजनाओं के लगे स्टॉल, युवाओं को बांटे गए चेक

नोएडा। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर नोएडा में यूपी दिवस का आयोजन पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। सेक्टर-33 स्थित नोएडा हाट में चल रहे इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गौतमबुद्ध नगर से सांसद डॉ. महेश शर्मा पहुंचे। उनके आगमन पर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल को पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया गया था और बड़ी संख्या में लोग यूपी दिवस के उत्सव में शामिल होने पहुंचे। आयोजन का मकसद प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, विकास कार्यों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना रहा।

यूपी दिवस के मौके पर नोएडा हाट में अलग-अलग तरह के स्टॉल लगाए गए, जिनमें हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, हथकरघा उत्पाद और स्थानीय उत्पादों की झलक देखने को मिली। यह आयोजन योगी सरकार के "स्थानीय को बढ़ावा" देने के प्रयासों को दर्शाता है। छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को मंच प्रदान कर उनके उत्पादों को पहचान दिलाने की कोशिश की गई। खास बात यह रही कि व्यापार करने वाले युवाओं को मंच से पांच-पांच लाख रुपये के चेक वितरित किए गए, जिससे उन्हें अपने कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद मिले। युवाओं में इस पहल को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और लोगों ने इसे स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने की दिशा में अहम कदम बताया।

कार्यक्रम के दौरान जिले के अलग-अलग विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। प्रशासनिक, सामाजिक और विकास से जुड़े क्षेत्रों में बेहतर योगदान देने वालों को मंच पर बुलाकर प्रशस्ति पत्र और सम्मान प्रदान किया गया।

इस दौरान मौजूद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे और बेहतर काम करने के लिए प्रेरित होते हैं। सम्मान समारोह के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया और यूपी की लोकसंस्कृति की झलक देखने को मिली। इस मौके पर दादरी विधायक तेजपाल नागर और पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह भी मौजूद रहीं।

मोदी-योगी सरकार में उत्तर प्रदेश बना विकास का केंद्रः महेश शर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेश शर्मा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अब पिछड़ेपन की पहचान से बाहर निकलकर देश के विकास का प्रमुख केंद्र बन रहा है। सांसद ने जेवर एयरपोर्ट और गंगा एक्सप्रेसवे का जिक्र करते हुए कहा कि ये दोनों परियोजनाएं उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदलने का काम कर रही हैं और आने वाले समय में रोजगार व निवेश के नए अवसर पैदा करेंगी।

कृष्णा करुणेश को बनाया गया नोएडा अथॉरिटी का सीईओ

नोएडा। उत्तर प्रदेश में नोएडा अथॉरिटी के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का अतिरिक्त प्रभार आईएएस अधिकारी कृष्णा करुणेश को सौंपा गया है। 2011 बैच के आईएएस अधिकारी करुणेश इस समय अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) के पद पर कार्यरत हैं। नोएडा के सेक्टर 150 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की हादसे में हुई मौत के बाद पूरे शहर में सड़क सुरक्षा और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर सवाल उठ रहे थे। शासन ने मामले में नोएडा अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लोकेश एम को हटाते हुए जांच के लिए एसआईटी गठित की थी। अब शासन ने शनिवार को नोएडा अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के खाली चल रहे पद पर आईएएस अधिकारी कृष्णा करुणेश को नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि मूलरुप से बिहार के निवासी आईएएस अधिकारी कृष्णा करुणेश गोरखपुर के जिलाधिकारी के अलावा गाजियाबाद के सीडीओ और हापुड़ व बलरामपुर जिले में भी जिलाधिकारी रह चुके हैं।

मतदाता जागरूकता अभियान: लोकतंत्र को मजबूत करने का दिया संदेश

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में शनिवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन 25 जनवरी को मनाए जाने वाले 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य भावी शिक्षकों और आम नागरिकों को मतदान के अधिकार, उसकी जिम्मेदारी और लोकतंत्र में उसकी अहम भूमिका से जोड़ना रहा। संस्थान परिसर में दिनभर उत्साह का माहौल देखने को मिला और प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़कर कार्यक्रमों में भाग लिया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन नोडल अधिकारी राजेश खन्ना द्वारा किया गया। इस दौरान संस्थान में भाषण प्रतियोगिता, गीत-संगीत, कविता पाठ, पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इन सभी कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवाओं और प्रशिक्षुओं के मन में मतदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना था। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रशिक्षुओं ने अपने विचारों के माध्यम से यह संदेश दिया कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी है। प्रतिभागियों ने अपने रचनात्मक प्रयासों से यह दिखाया कि जागरूक मतदाता ही एक मजबूत और विकसित समाज की नींव रख सकता है।

बीटेक के छात्र ने चौथी मंजिल से कूदकर की आत्महत्या, आक्रोशित साथियों ने किया हंगामा

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के एक हॉस्टल में रहने वाले बी-टेक द्वितीय वर्ष के छात्र ने चौथी मंजिल से छलांग लगाकर शुक्रवार की देर रात को आत्महत्या कर लिया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, छात्र अपने दोस्तों के साथ शराब पीकर देर रात को हॉस्टल में आया था। हॉस्टल के प्रबंधन ने छात्र को इसके लिए फटकार लगाई गई तथा उसकी वीडियो बनाकर उसके पिता को भेजा। उसके पिता ने उसे डांट दिया। इस वजह से उसने आत्महत्या किया है। पुलिस ने हॉस्टल प्रबंधन के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

अपर पुलिस उपयुक्त जोन तृतीय सुधीर कुमार ने शनिवार को बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के नॉलेज पार्क-3 स्थित एक हॉस्टल में बी-टेक द्वितीय वर्ष का छात्र झांसी के भोगनीपुर निवासी उदित सोनी रहता था। शुक्रवार देर रात को वह अपने मित्र चेतन एवं कुलदीप के साथ शराब पीकर हॉस्टल में वापस आया। हॉस्टल प्रबंधन ने छात्र को फटकार लगाई। उसकी वीडियो बनाकर उसके पिता विजय सोनी को भेजी गई। वीडियो प्राप्त होने पर उसके पिता ने उदित सोनी को डांटा और धमकाया कि तुम्हारा नाम कटवाकर घर बुला लेंगे। इस घटना से क्षुब्ध होकर छात्र उदित सोनी ने हॉस्टल के चतुर्थ तल से नीचे छलांग लगा दिया। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस घटना से आक्रोशित सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस के अधिकारियों ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें शांत करवाया। शांति व्यवस्था कायम है। उन्होंने बताया कि मृतक छात्र के परिजनों को सूचना दे दी गई है। वे लोग जनपद झांसी से नोएडा के लिए निकल गए हैं। उनकी शिकायत के आधार पर इस मामले में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

चलती कार में लगी आग, दो लोगों ने कूदकर बचाई जान

नोएडा। चलती कार में अचानक आग लगने के बाद उसमें सवार दो लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार देर रात सेक्टर-25ए के पास उस समय हुई, जब मेरठ जिले के हस्तिनापुर निवासी राहुल शर्मा अपने एक साथी के संग कार से सेक्टर-18 की ओर जा रहे थे। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि यू-टर्न के पास अचानक कार में आग लग गई, जिसके बाद कार में सवार दोनों लोग बाहर कूद गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की एक गाड़ी मौके के लिए रवाना की गई और करीब आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।

चौबे ने बताया कि आग लगने का स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका है, लेकिन संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। बाद में प्रभावित कार को क्रेन की मदद से हटाकर यातायात बहाल कर दिया।

पुरानी रंजिश के चलते बारातियों पर हमला, कई लोग घायल

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुरानी रंजिश के चलते शुक्रवार की रात को बारात चढ़त के समय कुछ लोगों ने बारातियों के ऊपर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक मारपीट में घायल बाराती जगनपुर गांव के रहने वाले हैं। जगनपुर गांव के ही कुछ लोगों पर दादरी क्षेत्र में आकर लाठी-डंडे और धारदार हथियार से बारातियों पर हमला करने का आरोप लगा है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन-तृतीय) सुधीर कुमार ने बताया कि दनकौर थाना क्षेत्र के जगनपुर गांव से दादरी थाना क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में बारात आई थी। बारात में देशराज सिंह अपने पूरे परिवार के साथ आए थे। बारात चढ़त से पहले मिलाई की जा रही थी। इस दौरान कई गाड़ियों में सवार होकर आए हमलावरों ने लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी, जिसके कारण बारात में अफरातफरी का माहौल हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने देशराज, उनके बेटे देवेंद्र, वीरेंद्र, राजेंद्र और भतीजे श्रीनिवास और अन्य लोगों पर जानलेवा हमला किया। बताया जा रहा है कि गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। इसके बाद हमलावर फरार हो गए। इस हमले में घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) ने बताया कि दोनों पक्ष जगनपुर गांव के रहने वाले हैं। पुरानी रंजिश को लेकर बारात में झगड़ा हुआ। मारपीट में कई लोग घायल हुए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक जगनपुर गांव में दोनों पक्षों के बीच करीब तीन महीने पहले भी झगड़ा हुआ था।

प्रो रेसलिंग लीग: वापसी को लेकर आश्वस्त हरियाणा थंडर्स

नोएडा। नोएडा इंडोर स्टेडियम में चल रही प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्लूएल) 2026 में महाराष्ट्र केसरी के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में 4-5 से मिली हार के बावजूद हरियाणा थंडर्स के मालिकों ने भरोसा जताया है कि टीम टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों में दमदार वापसी करेगी। फ्रेंचाइजी प्रबंधन ने पहलवानों के जुझारू प्रदर्शन की जमकर करते हुए कहा कि टीम ने आखिरी बाउट और अंतिम क्षण तक संघर्ष किया, लेकिन परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहे पर कोई बात नहीं, ऐसा होता है।

मैच के बाद हरियाणा थंडर्स की मालकिन प्रेरणा बांका ने टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा, रहमारे खिलाड़ियों ने अंतिम मिनट तक संघर्ष किया। हमारे पास बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं, बस यह हमारा खराब दिन था। हमने खिलाड़ियों से कहा है कि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, कभी-कभी करीबी हार भी टीम के लिए जरूरी होती है, ताकि वह जमीन पर ही रहें और जीत की भूख और बढ़ सकें। चर्चा को आगे बढ़ाते टीम की मालकिन ईशा गुप्ता ने कहा कि नतीजा टीम की मेहनत और प्रतिबद्धता को नहीं दर्शाता।

हमारे खिलाड़ियों ने अंत तक कड़ी लड़ाई लड़ी, लेकिन यह उन दिनों में से एक था जब चीजें हमारे पक्ष में नहीं रहीं। खिलाड़ी स्वाभाविक रूप से थोड़े निराश थे, क्योंकि हम आमतौर पर अपने मुकाबले जीतने के आदी हैं, खासकर हमारी महिला पहलवान। हालांकि, यह मुकाबला टीम को और मजबूत बनाएगा और हमने खिलाड़ियों से इसे एक अपवाद की तरह लेने को कहा है। टीम की एक और मालकिन श्रेया परसरामपुरिया ने भी हरियाणा थंडर्स के जुझारूपन और कभी हार न मानने वाले जज्बे पर कहा कि टीम ने आखिरी मिनट तक संघर्ष किया और कभी हार नहीं मानी। जीत और हार खेल का हिस्सा है। हमें पूरा भरोसा है कि हरियाणा थंडर्स मजबूती के साथ वापसी करेगा।

तीन मैचों में दो जीत के साथ हरियाणा थंडर्स फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और फ्रेंचाइजी को पूरा विश्वास है कि प्रो रेसलिंग लीग 2026 के आगे बढ़ने के साथ टीम जल्द ही अपनी लय दोबारा हासिल कर लेगी।

संपादकीय

ट्रंप का रवैया करीबियों पर ही भारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरे कार्यकाल में दुनिया के सामने भस्मासुर की तरह खड़े दिखाई दे रहे हैं। शुरूआत में जब उन्होंने पूरी दुनिया को टैरिफ की आग में झोंकने की कोशिश की तो कुछ देशों ने किसी हद तक इसे कार्तिक कहते हुए इसे वार्ता के माध्यम से सुलझाने के लिए व्यापार समझौते की पेशकश की। हालांकि इनमें अधिकांश समझौते एक तरफा रहे और ट्रंप ने टैरिफ का डर दिखा कर मनमानी भी दिखाई। भारत ने भी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कोशिश की। दोनों देशों के मध्य एक साल तक वार्ता के बावजूद इस पर अब तक सहमति नहीं बनी है। हालांकि इस अवधि में अमेरिका ने भारत पर दुनिया में सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। ट्रंप की इस हरकत से दोनों देशों के संबंधों को रसातल तक पहुंचा दिया। देखा जाए तो ट्रंप का यह कार्यकाल उनके करीबी मित्रों पर ही ज्यादा भारी दिखाई दे रहा है। ग्रीनलैंड पर उनके रुख ने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन यानी नोटो के भविष्य पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया था। एक बार तो प्रतीत होता था कि अमेरिका और यूरोपीय सेनाएं आमने सामने आ सकती हैं। हालांकि ट्रंप के दावोस में दिए भाषण से संकेत मिला है कि फिलहाल नाटो बच गया है। इसके बावजूद ट्रंप के अस्थिर रवैए को देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि नाटो जिसमें अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, डेनमार्क, आइसलैंड, इटली, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, फिनलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और पुर्तगाल शामिल हैं का क्या होगा? नाटो की स्थापना करने वाली वाशिंगटन संधि में कहा गया था कि नाटो में शामिल एक या अधिक सदस्यों पर सशस्त्र हमला सभी नाटो देशों पर हमला माना जाएगा। 9/11 के हमलों के बाद इस प्रावधान को लागू किया गया था। ट्रंप लंबे समय से बहुपक्षवाद के प्रति असहमति जताते रहे हैं। नाटो को लेकर ट्रंप की शिकायत यह है कि यूरोप की सुरक्षा का अधिकांश खर्च अमेरिका उठाता है। अन्य देश अपेक्षाकृत काम योगदान देते हैं। डेनमार्क से ग्रीनलैंड को खरीदने का ट्रंप का विचार नाटो पर वर्षों से हो रहे अमेरिकी खर्च की भरपाई के रूप में सामने आया था। दावोस में ट्रंप ने कहा कि वह ग्रीनलैंड का बलपूर्वक विलय नहीं करेंगे। यहां यह भी गौरतलब है कि ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई नाटो को समाप्त कर सकती है। आर्थिक रूप से शक्तिशाली होने के बावजूद यूरोप अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिकी परमाणु छतरी पर निर्भर है। यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस की परमाणु धमकी पर अमेरिका ने निर्णायक भूमिका निभाई है। लेकिन ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियों के चलते भविष्य के नाटो संकट में वॉशिंगटन के सहयोग की गारंटी संदिग्ध है।

कन्यादान नहीं, सम्मान चाहिए

भारतीय समाज में बालिका को लेकर एक विचित्र विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर उसे देवी, शक्ति और लक्ष्मी का रूप कहकर पूजनीय माना जाता है, दूसरी ओर उसी बालिका के जीवन पर सबसे अधिक नियंत्रण और प्रतिबंध लगाए जाते हैं। जन्म से पहले चयन, जन्म के बाद भेदभाव और बड़े होते-होते अपेक्षाओं का बोझ-यह सब उसकी नियति का हिस्सा बना दिया जाता है। पूजा और अधिकार के बीच की यह दूरी यह स्पष्ट करती है कि हमारे सामाजिक मूल्यों में अभी भी गहरी असंगति मौजूद है। बालिका के जीवन में असमानता केवल व्यवहार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह भाषा, परंपराओं और संस्कारों के माध्यम से भी पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती है। इन्हीं परंपराओं में एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील शब्द है- कन्यादान। दान का अर्थ है किसी वस्तु को सौंप देना, लेकिन बेटी कोई वस्तु नहीं है। वह एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है, जिसकी अपनी चेतना, इच्छा और भविष्य है। ऐसे में विवाह के समय उसका "दान" किया जाना न केवल भाषा की समस्या है, बल्कि सोच की भी गंभीर समस्या है।

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

आज विश्व बालिका दिवस मनाया जा रहा है। देश और दुनिया में इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम, संगोष्ठियाँ और प्रतीकात्मक आयोजन हो रहे हैं। मंचों से बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण की बातें कही जा रही हैं। लेकिन यह प्रश्न बार-बार सामने आता है कि क्या किसी एक दिवस का आयोजन वास्तव में उस गहरी सामाजिक समस्या का समाधान कर सकता है, जो पीढ़ियों से बालिकाओं के जीवन को प्रभावित करती आ रही है। सम्मान किसी कैलेंडर की तारीख से तय नहीं होता, बल्कि वह समाज के दैनिक व्यवहार, सोच और निर्णयों में परिलक्षित होता है।

भारतीय समाज में बालिका को लेकर एक विचित्र विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर उसे देवी, शक्ति और लक्ष्मी का रूप कहकर पूजनीय माना जाता है, दूसरी ओर उसी बालिका के जीवन पर सबसे अधिक नियंत्रण और प्रतिबंध लगाए जाते हैं। जन्म से पहले चयन, जन्म के बाद भेदभाव और बड़े होते-होते अपेक्षाओं का बोझ-यह सब उसकी नियति का हिस्सा बना दिया जाता है। पूजा और अधिकार के बीच की यह दूरी यह स्पष्ट करती है कि हमारे सामाजिक मूल्यों में अभी भी गहरी असंगति मौजूद है।

बालिका के जीवन में असमानता केवल व्यवहार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह भाषा, परंपराओं और संस्कारों के माध्यम से भी पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती है। इन्हीं परंपराओं में एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील शब्द है- कन्यादान। दान का अर्थ है किसी वस्तु को सौंप देना, लेकिन बेटी कोई वस्तु नहीं है। वह एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है, जिसकी अपनी चेतना, इच्छा और भविष्य है। ऐसे में विवाह के समय उसका "दान" किया जाना न केवल भाषा की समस्या है, बल्कि सोच की भी गंभीर समस्या है। विवाह भारतीय समाज में एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्कार माना जाता है। लेकिन संस्कार वही सार्थक होता है, जो समानता और सहमति पर आधारित हो। कन्यादान की अवधारणा पिता को दाता और बेटी को दान बना देती है, जिससे असमानता का भाव स्वतः स्थापित हो जाता है। इसके विपरीत पाणिग्रहण जैसी अवधारणा साझेदारी और स्वीकार का भाव देती है। समय की माँग है कि समाज भाषा के साथ-साथ उस सोच पर भी पुनर्विचार करे, जो इन शब्दों के पीछे छिपी हुई है।

दुखद तथ्य यह है कि आज भी देश के अनेक हिस्सों में बालिकाओं से उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में औपचारिक रूप से भी राय नहीं ली जाती। शिक्षा, विवाह और करियर जैसे विषयों पर अंतिम निर्णय परिवार या समाज द्वारा लिया जाता है। बालिका से अपेक्षा की जाती है कि वह परिस्थितियों को स्वीकार करे और चुपचाप निभाए। यह चुप्पी धीरे-धीरे उसके जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाती है और संघर्ष का रूप ले लेती है।

बालिका का संघर्ष बचपन से ही आरंभ हो जाता है। कभी संसाधनों की कमी के रूप में, कभी सुरक्षा के नाम पर लगाए गए प्रतिबंधों के रूप में। उसे हर चरण पर स्वयं को सिद्ध करना पड़ता है, फिर भी उस पर संदेह किया जाता है। समाज उससे त्याग, सहनशीलता और समर्पण की अपेक्षा करता है, लेकिन बदले में उसे समान अधिकार देने से कतराता है। यह असंतुलन ही असली समस्या की जड़ है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि बेटियाँ परिवार की इज़्ज़त होती हैं। लेकिन इस इज़्ज़त की कीमत अधिकांश मामलों में उनकी स्वतंत्रता से चुकाई जाती है। इज़्ज़त किसी एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं टाली जा सकती। वह सामूहिक आचरण, नैतिकता और समानता से बनती है। किसी की आज़ादी सीमित करके समाज अपनी गरिमा नहीं बचा सकता, बल्कि उसे और कमजोर ही करता है।

बालिका दिवस के अवसर पर कन्या पूजन और सम्मान की बातें बड़े स्तर पर की जाती हैं। लेकिन वास्तविक सम्मान पूजा की थाली से नहीं, बल्कि समान अवसरों से मिलता है। जब बालिका को पढ़ने, आगे बढ़ने और अपने सपने चुनने की स्वतंत्रता मिले, तभी सम्मान का अर्थ सार्थक होगा। जब उसकी 'ना' को भी उतनी ही गंभीरता से लिया जाएगा, जितनी 'हाँ' को, तभी उसे सशक्त कहा जा सकेगा।

यह स्वीकार करना होगा कि केवल कानून और योजनाएँ पर्याप्त नहीं हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर अनेक नीतियाँ बनाई गई हैं, लेकिन सामाजिक सोच में परिवर्तन के बिना उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। जब तक परिवार और समाज अपनी मानसिकता नहीं बदलते, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। सामाजिक सुधार का आरंभ घर से होता है, न कि केवल मंच और भाषण से। आज आवश्यकता इस बात की है कि बालिका को दया या संरक्षण की दृष्टि से न देखा जाए। उसे "कमज़ोर" नहीं, बल्कि समान और सक्षम नागरिक के रूप में स्वीकार किया जाए। उसके अधिकारों को अनुग्रह नहीं, बल्कि संवैधानिक हक़ के रूप में समझा जाए। बालिका दिवस का उद्देश्य भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि व्यवहारिक बदलाव होना चाहिए।

समाज को यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वह वास्तव में बालिकाओं को बराबरी का जीवन दे पा रहा है। क्या घरों में, स्कूलों में और कार्यस्थलों पर बेटियों को वही सम्मान और अवसर मिल रहे हैं, जो बेटों को मिलते हैं। यदि उत्तर नकारात्मक है, तो बालिका दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन बनकर रह जाएगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि बालिकाएँ किसी एक दिवस की प्रतीक नहीं हैं। वे समाज और राष्ट्र का वर्तमान भी हैं और भविष्य भी। कन्यादान की मानसिकता से बाहर निकलकर कन्या-स्वाधिकार को अपनाना ही एक संवेदनशील और आधुनिक समाज की पहचान है। जब तक बालिका को सम्मान के साथ जीने का अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक किसी भी दिवस का उत्सव अधूरा ही रहेगा। यही विश्व बालिका दिवस की वास्तविक और स्थायी सार्थकता है।

वोट की ताकत हमारा संवैधानिक अधिकार है

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विशेष

-डॉ. अशोक कुमार भार्गव-

25 जनवरी 1950 अर्थात भारत निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाते हैं। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों को मतदाता के रूप में उनके अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागृत करना है। यह परंपरा वर्ष 2011 से प्रारंभ हुई है। निर्वाचनआयोग एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है जो भारत में संघ एवं राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए उत्तरदायी है। यह निकाय ही भारत में लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, देश में राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति के पदों के निर्वाचनों का संचालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमें गर्व है कि हम दुनिया के सबसे सशक्त, सफल, परिपक्व लोकतांत्रिक गणराज्य के नागरिक हैं। लोकतंत्र न केवल सर्वोत्तम शासन पद्धति है वरन एक शैली है जीवन यापन की, एक विधि और दर्शन है। इस व्यवस्था में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव लोक आस्था, लोक निष्ठा के प्रतीक होते हैं। चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है और मतदाता ही लोकतंत्र के भाग्य विधाता है। चुनाव के बिना लोकतंत्र और लोकतंत्र के बिना चुनाव दोनों अर्थहीन हो जाते हैं।

भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. अंबेडकर ने प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करते हुए मतदान के अधिकार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विलक्षणता ही यह है कि वह देश के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के न केवल वोट देने की ताकत देता है वरन प्रत्येक वोट का मूल्यांकन भी समान करता है। यह ताकत प्रत्येक मतदाता का न केवल संवैधानिक अधिकार है वरन उसकी जिम्मेदारी भी और जिम्मेदारी सिर्फ ओढ़ने के लिए नहीं होती वरन निभाने के लिए होती है। जो मतदाता अपने इस मूल्यवान अधिकार का उपयोग नहीं करते वे न केवल लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर करते हैं वरन राष्ट्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी करते हैं।

भारत में सन 1952 से निरंतर एक निश्चित समय अंतराल पर लोकसभा और विधानसभाओं के निर्वाचन संपन्न हो रहे हैं। चुनाव में मतदान का प्रतिशत है यद्यपि अपेक्षाकृत बड़ा है किंतु फिर भी एक बहुत बड़ा तबका अर्थात 30 से 35% मतदाता आज भी कोउ नृप होय हमें का हानीकी दूषित मानसिकता के चलते मतदान के प्रति निष्क्रिय, उदासीन और विमुख है। वोट देने की ताकत राष्ट्र के विकास या विनाश की निर्णायक शक्ति होती है। अक्सर वोट न देने वाले मतदाता सरकार की नाकामी पर गरियाते रहते हैं, तर्क कुतर्क वितर्क करते रहते हैं। ऐसे ही एक याचिकाकर्ता को आढे हाथों लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई थी कि अगर आप वोट नहीं देते हैं तो किसी काम के लिए आपके पास सरकार पर तोहमत लगाने का अधिकार भी नहीं है।

इसलिए समावेशी और सहभागी लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने के लिए नए मतदाताओं को प्रोत्साहित करना, उन्हें सुविधाएं देना, उनका नामांकन बढ़ाना, उन्हें सशक्त, सतर्क, सुरक्षित और वोट देने के अधिकार के प्रति जागरूक करना अपरिहार्य होता है। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को सुव्यवस्थित शिक्षण हेतु कई सामान्य और लक्षित हस्तक्षेपों पर आधारित 360 डिग्री संचार का राष्ट्रव्यापी स्वीप कार्यक्रम वर्ष 2009 से प्रारंभ कियाहै। फल स्वरुप मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, जेंडर गैप कम हुआ है, मतदान केंद्र पर हिंसा लूट और मतदान के बहिष्कार जैसी घटनाएं कम हुई है, नए युवा मतदाता शतप्रतिशत जुड़ रहे हैं, नामांकन बढ़ रहा है और सूचित, नैतिक, स्वतंत्र प्रोत्साहित वोटिंग प्रत्येक मतदान केंद्र पर बढ़ रही है।

यह एक कटु सत्य है कि चुनाव का लोकतांत्रिक अनुष्ठान मतदाताओं के मतों की आहुतियों के बिना फलीभूत नहीं हो सकता क्योंकि लोकतंत्र का स्वरूप वैसा ही होता है जैसे उसके नियंता होते हैं और लोकतंत्र में मतदाता ही लोकतंत्र के असली मालिक और नियंता होते हैं। वे अपनी सरकार, अपने लिए, अपने ही द्वारा चुनते हैं। अतः लोकतंत्र में एक मतदाता का अज्ञान भी सबकी सुरक्षा को संकट में डालने के लिए पर्याप्त होता है। क्योंकि जम्हूरियत वह तर्जे हुकूमत है कि जिसमें बंदों को तोला नहीं गिना करते हैं अर्थात एक-एक वोट महत्वपूर्ण होता है। एक एक वोट से हार जीत होती है। यों तो लोकतंत्र में हम लोक कहलाना पसंद करते हैं किंतु तंत्र का हिस्सा नहीं बनते। अतः संविधान प्रदत्त वोट डालने के अपने मूल्यवान अधिकार का हर संभव परिस्थितियों में उपयोग करना चाहिए। हम भारत के लोग परम सौभाग्यशाली हैं कि हमें 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान के लागू होते ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की अनुपम सौगात बिना किसी संघर्ष के प्राप्त हो गई जबकि वैश्विक स्तर पर इसे प्राप्त करने का इतिहास आंदोलनों, प्रदर्शनों और संघर्षपूर्ण अभियानों का रहा है। 19वीं सदी के प्रारंभ में लोकतंत्र के लिए होने वाले संघर्ष प्रायः राजनीतिक समानता, आजादी और न्याय जैसे मानवीय मूल्यों को लेकर ही होते थे किंतु सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की मांग प्रमुख होती होती थी। यूरोप के अधिकांश देश जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाते जा रहे थे वह भी सभी लोगों को वोट देने की अनुमति नहीं देते थे। कुछ देशों में केवल उन्हीं लोगों को वोट देने का अधिकार था जिनके पास संपत्ति थी या वे बड़े जमींदार, सामंत अथवा पादरी थे। महिलाओं के साथ भेदभाव होता था और वोट देने का अधिकार मिलता ही नहीं था। संयुक्त राज्य अमेरिका में अश्वेतों को 1965 तक मतदान का अधिकार नहीं मिला। कई देशों में मताधिकार को प्राप्त करने के लिए साक्षरता की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होता था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान महिलाओं ने कारखाने और अन्य क्षेत्रों में अपनी निर्णायक भूमिका से राष्ट्र की अर्थव्यवस्था और युद्ध के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था जिससे यह धारणा विकसित हुई कि महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिलना ही चाहिए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र ने भी महिलाओं के मताधिकार को प्रोत्साहित किया। 1950 के बाद धीरे-धीरे अर्जेंटीना, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, यूनान, स्पेन आदि देशों के नागरिकों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्राप्त हुए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव संबंधी बड़े रोचक तथ्य भी इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंट के प्रतिवेदन में मिलते हैं। विश्व के अनेक देशों जैसे बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बोलिविया आदि देशों में मतदान करना अनिवार्य है। भारत सहित फिलिपींस थाईलैंड जैसे देशों में मतदान करना केवल नागरिक कर्त्तव्य है बाध्यता नहीं। जबकि कई देश ऐसे हैं जहां इस कर्त्तव्य के पालन न करने पर सजा का प्रावधान है।

संसार सागर से बेड़ा पार कराता है यह महामंत्र

श्री चैतन्य महाप्रभु का जन्म बंगाल के नवद्वीप नामक ग्राम में शक संवत 1407 की फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा को हुआ था। इनके पिता का नाम श्रीजगन्नाथ मिश्र और माता का नाम शची देवी था। यह भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त थे। इन्हें लोग श्री राधा का अवतार मानते हैं। बंगाल के वैष्णव तो इन्हें भगवान का ही अवतार मानते हैं। श्री चैतन्य महाप्रभु विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। न्यायशास्त्र में इनको प्रकांड पाण्डित्य प्राप्त था। कहते हैं कि इन्होंने न्यायशास्त्र पर एक अपूर्व ग्रंथ लिखा था, जिसे देख कर इनके एक मित्र को बड़ी ईर्ष्या हुई क्योंकि उन्हें भय था कि इनके ग्रंथ के प्रकाश में आने पर उनके द्वारा प्रणीत ग्रंथ का आदर कम हो जाएगा। इस पर श्री चैतन्य ने अपने ग्रंथ को गंगा जी में बहा दिया। चैबीस वर्ष की अवस्था में श्री चैतन्य महाप्रभु ने गृहस्थाश्रम का त्याग करके संन्यास लिया। इनके गुरु का नाम श्रीकेशव भारती था। इनके जीवन में अनेक अलौकिक घटनाएं हुईं, जिनसे इनके विशिष्ट शक्ति-सम्पन्न भगवद्विभूति होने का परिचय मिलता है। इन्होंने एक बार अद्वैत प्रभु को अपने विश्वरूप का दर्शन कराया था। नित्यानंद प्रभु ने इनके नारायण रूप और श्रीकृष्ण रूप का दर्शन किया था। इनकी माता शची देवी ने नित्यानंद प्रभु और इनको बलराम और श्रीकृष्ण रूप में देखा था। चैतन्य-चरितामृत के अनुसार इन्होंने कई कोढियों और असाध्य रोगों से पीडित रोगियों को रोग मुक्त किया था। श्री चैतन्य महाप्रभु के जीवन के अंतिम छः वर्ष तो राधा-भाव में ही बीते। उन दिनों इनके अंदर महाभाव के सारे लक्षण प्रकट हुए थे। जिस समय यह श्री कृष्ण प्रेम में उन्मत्त होकर नृत्य करने लगते थे, लोग देखते ही रह जाते थे। इनकी विलक्षण प्रतिभा और श्रीकृष्ण भक्ति का लोगों पर ऐसा प्रभाव पड़ा कि वासुदेव सार्वभौम और प्रकाशानंद सरस्वती जैसे वेदांती भी इनके क्षण मात्र के सत्संग से श्रीकृष्ण प्रेमी बन गए। इनके प्रभाव से विरोधी भी इनके भक्त बन गए और जगाई, मधाई जैसे दुराचारी भी संत हो गए। इनका प्रधान उद्देश्य भगवन्नाम का प्रचार करना और संसार में भगवद् भक्ति और शांति की स्थापना करना था। इनके भक्ति-सिद्धांत में द्वैत और अद्वैत का बड़ा ही सुंदर समन्वय हुआ है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

2015 - मिस कोलम्बिया पोलिना वेगा वर्ष 2014 की मिस यूनिवर्स बनीं।
2010 - इराक की राजधानी बगदाद में तीन मिनी बसों में बम विस्फोट के जरिए होटलों को निशाना बनाया गया। इनमें कम से कम 36 व्यक्ति मारे गए और 71 अन्य घायल हो गए।
2009- केन्द्र सरकार ने पद्मश्री व पद्मभूषण पुरस्कारों की घोषणा की।
2008 -उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती ने गंगा-एक्सप्रेस वे परियोजना को मंजूरी प्रदान की।
2006 - लिट्टे प्रमुख प्रभाकरन जिनेवा में वार्ता के लिए सहमत।
2005 - महाराष्ट्र के सतारा स्थित एक देवी के मंदिर में भगदड़ मचने से 300 से अधिक मरे।
2004 - अंतरिक्ष यान ऑपर्च्युनिटी मंग्रल ग्रह पर सफलतापूर्वक उतरा।
2003 - चीन के लोकतंत्र समर्थक नेता फेंग जू को देश निकाला दिया गया।
2002 - अर्जुन सिंह भारतीय वायु सेना के पहले 'एयर मार्शल'बने।
1994 - तुर्की का प्रथम दूरसंचार उपग्रह 'तुर्कसैट प्रथम' अटलांटिक महासागर में गिरा।
1992 - रूस के राष्ट्रपति बोरिस येलत्सिन ने अमेरिकी शहरों को लक्ष्य करके तैनात परमाणु प्रक्षेपास्त्रों को हटाने की घोषणा की।
1991 - यूगोस्लाविया में तनाव दूर करने के लिए सर्बिया और क्रोएशिया के नेताओं की बैठक हुई।
1983 - आचार्य विनोबा भावे को भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा।
1980 - मदर टेरेसा को भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
1975 - शेख मुजीबुर्रहमान बांग्ला देश के राष्ट्रपति बने।
1971 - हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य घोषित किया गया।
1969 - अमेरिका और उत्तरी विएतनाम के बीच पेरिस में शांति वार्ता प्रारम्भ।
1959 - ब्रिटेन ने पूर्वी जर्मनी से व्यापार समझौता किया।
1952 - सार के प्रशासन को लेकर फ्राँस और जर्मनी के बीच विवाद हुआ।
1882 - वर्जीनिया वुल्फ का जन्म हुआ।
1839 - चिली में भूकम्प से 10,000 लोगों की मौत हुई।
1831 - पौलैंड की संसद ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
1755 - मॉस्को विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

जी का जंजाल बन रही फोन कॉल मार्केटिंग

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

मोबाइल फोन कभी सुविधा, सुरक्षा और संपर्क का सबसे सशक्त माध्यम माना जाता था। इसने दूरी को कम किया, आपात स्थितियों में जीवन बचाया और संवाद को सहज बनाया। लेकिन समय के साथ यही मोबाइल फोन लाखों लोगों के लिए तनाव, झुंझलाहट और मानसिक अशांति का कारण बनता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है बेलगाम फोन कॉल मार्केटिंग, जिसने आम आदमी का जीना हराम कर दिया है।

दिन की शुरुआत अक्सर किसी अनजान नंबर की कॉल से होती है। नींद खुलते ही फोन की घंटी बजती है और सामने से कोई लोन ऑफर कर रहा होता है, कोई बीमा पॉलिसी, कोई क्रेडिट कार्ड या फिर निवेश का कोई "सीमित समय वाला" प्रस्ताव। दफ्तर की मीटिंग हो, ऑनलाइन क्लास चल रही हो या घर में कोई जरूरी बातचीत-फोन कॉल मार्केटिंग को न समय की समझ है, न परिस्थिति की। पूछने पर वही रटा-रटाया जवाब मिलता है-"सर/मैडम, बस दो मिनट।" लेकिन यही दो मिनट कब दिन के कई हिस्से निगल जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कॉल करने वालों के पास हमारा मोबाइल नंबर आता कहाँ से है। हमने न तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से नंबर दिया, न ही किसी सेवा के लिए स्पष्ट अनुमति दी, फिर भी वे पूरे आत्मविश्वास के साथ बात करते हैं। कई बार तो वे हमारा नाम, पेशा और जरूरतें तक जानते हैं। यह स्थिति केवल कॉल मार्केटिंग की समस्या नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और निजता के खुले उल्लंघन का संकेत है। आज के डिजिटल दौर में मोबाइल नंबर केवल संपर्क का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापारिक वस्तु बन चुका है।

सरकार और नियामक संस्थाओं ने नियम बनाए हैं, "डू नॉट डिस्टर्ब" जैसी सेवाएँ शुरू की गई हैं, लेकिन व्यवहार में इनका असर बेहद सीमित दिखाई देता है। DND में नंबर दर्ज होने के बावजूद कॉल्स आती रहती हैं। शिकायत करने पर प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी होती है कि आम व्यक्ति हताश होकर चुप रह जाना ही बेहतर समझता है। यही हताशा इस समस्या को और बढ़ावा देती है।

फोन कॉल मार्केटिंग का असर केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं है। यह धीरे-धीरे मानसिक तनाव और चिड़चिड़ेपन को जन्म देती है। हर अनजान नंबर को देखकर मन में आशंका पैदा होती है-कहीं फिर कोई फालतू कॉल तो नहीं। जरूरी कॉल छूट जाने का डर अलग से बना रहता है। यह असमंजस व्यक्ति की मानसिक शांति को गहराई से प्रभावित करता है। कई लोग तो लगातार आने वाली कॉल्स से इतने परेशान हो जाते हैं कि मोबाइल फोन से ही चिढ़ होने लगती है। बुजुर्गों और कम तकनीकी समझ रखने वाले लोगों के लिए यह समस्या और भी गंभीर है। वे अक्सर इन कॉल्स में उलझ जाते हैं और कई बार ठगी का शिकार हो जाते हैं। निवेश, इनाम, केवाईसी अपडेट या बैंक खाते से जुड़े झूठे बहानों के जरिए लाखों रुपये की ठगी की घटनाएँ सामने आती रहती हैं। कॉल मार्केटिंग और फ्रॉड कॉल्स के बीच की सीमा अब इतनी धुंधली हो चुकी है कि आम व्यक्ति के लिए फर्क करना कठिन हो गया है। समय जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति है, लेकिन कॉल मार्केटिंग इस संपत्ति का खुला अपमान करती है। सुबह जल्दी या रात देर तक आने वाली कॉल्स इस बात का प्रमाण हैं कि नियम केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। कामकाजी लोगों के लिए यह समस्या और भी विकट है। मीटिंग के बीच बजता फोन न केवल ध्यान भंग करता है, बल्कि पेशेवर छवि को भी नुकसान पहुँचाता है। फोन साइलेंट पर रखने से जरूरी कॉल्स छूटने का खतरा बना रहता है, और न रखने पर अनचाही कॉल्स की झंझट।

यहाँ यह समझना भी जरूरी है कि कॉल करने वाला व्यक्ति हर बार दोषी नहीं होता। टेलीमार्केटिंग कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारी अक्सर भारी दबाव में होते हैं। उन्हें प्रतिदिन तय संख्या में कॉल करनी होती हैं, लक्ष्य पूरा न होने पर नौकरी जाने का डर बना रहता है। कम वेतन और अस्थिर भविष्य उन्हें इस काम से बँधे रहने को मजबूर करता है। वे एक तय स्क्रिप्ट के अनुसार बात करते हैं, चाहे सामने वाला कितना ही नाराज़ क्यों न हो। लेकिन इन कर्मचारियों की मजबूरी के पीछे असली जिम्मेदारी उस व्यवस्था की है, जो मुनाफे के लिए इंसान की निजता, समय और मानसिक शांति को कुचल देती है। कंपनियाँ जानती हैं कि सौ में से यदि एक व्यक्ति भी उनके जाल में फँस जाए, तो उनका उद्देश्य पूरा हो जाता है। यही कारण है कि कॉल मार्केटिंग एक संगठित उद्योग का रूप ले चुकी है, जहाँ नैतिकता और संवेदनशीलता की कोई खास जगह नहीं।

भारत जैसे देश में टेलीमार्केटिंग को नियंत्रित करने के लिए नियम-कानून मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भारी कमी है। जुर्माने और प्रतिबंधों की बातें तो होती हैं, पर ज़मीनी स्तर पर बदलाव कम ही दिखता है। कई कॉल्स इंटरनेट कॉलिंग या विदेशी नंबरों से आती हैं, जिन पर स्थानीय नियमों का असर नहीं पड़ता। तकनीक का यह दुरुपयोग समस्या को और जटिल बना देता है। इस समस्या का असर सामाजिक रिश्तों पर भी पड़ रहा है। बार-बार परेशान होने वाला व्यक्ति स्वभाव से चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसका प्रभाव परिवार और कार्यस्थल दोनों पर दिखता है। बच्चों के साथ समय बिताते हुए या बुज़ुर्गों से बात करते समय अचानक बजता फोन माहौल को खराब कर देता है। धीरे-धीरे लोग अनजान कॉल्स उठाना ही बंद कर देते हैं, जिसके कारण कभी-कभी जरूरी और आपात कॉल्स भी मिस हो जाती हैं।

डिजिटल युग ने हमें अभिव्यक्ति की आज़ादी और सुविधाओं की भरमार दी है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी और नियंत्रण भी उतने ही जरूरी हैं। जब तकनीक जीवन को आसान बनाने के बजाय तनावपूर्ण बना दे, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। बिना पढ़े ऐप्स को अनुमति देना, हर वेबसाइट पर मोबाइल नंबर साझा करना और गोपनीयता की शर्तों को नजरअंदाज करना-ये सब आदतें मिलकर कॉल मार्केटिंग की समस्या को बढ़ावा देती हैं। समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना अब अनिवार्य हो गया है। व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी और इसके उल्लंघन पर सख्त सज़ा सुनिश्चित करनी होगी। DND जैसी प्रणालियों को वास्तविक अर्थों में प्रभावी बनाना होगा, ताकि उपभोक्ता को राहत मिल सके। बार-बार नियम तोड़ने वाली कंपनियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, केवल चेतावनी नहीं।

साथ ही, उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा। अनावश्यक ऐप्स को अनुमति न देना, संदिग्ध कॉल्स से सावधान रहना और ठगी की घटनाओं की शिकायत दर्ज कराना- ये छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। जागरूक उपभोक्ता ही इस व्यवस्था को जवाबदेह बना सकता है। अंततः यह समझना होगा कि फोन कॉल मार्केटिंग केवल एक व्यावसायिक गतिविधि नहीं रही, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है। यह हमारी निजता पर हमला करती है, समय की बर्बादी करती है और मानसिक शांति छीन लेती है। तकनीक का उद्देश्य जीवन को सरल, सुरक्षित और बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि उसे हराम करना। जब तक व्यवस्था, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों मिलकर अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक यह समस्या यूँ ही आम आदमी का जीना हराम करती रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व ए-152, सैक्टर 63, नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से प्रकाशित।
संपादक - आदित्य वशिष्ठ   कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा   आर.एन.आई.- UPHIN/2023/84499
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे।   e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म का अद्वितीय मेल है सनातन संस्कृति: मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म का अद्वितीय संगम देखने को मिलता है। सनातन संस्कृति केवल आस्था और विश्वास पर आधारित नहीं है बल्कि ये गहरे वैज्ञानिक दृष्टिकोण, चिंतन और शोध का परिणाम है।

मुख्यमंत्री धामी ने शनिवार को देहरादून स्थित ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी में एक समाचार पत्र के 8वें ज्योतिष महाकुम्भ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान पंडित पुरुषोत्तम गौड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ अन्य ज्योतिष आचार्यों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धामी ने कहा कि यह प्राचीन और दिव्य ज्ञान में छिपे वैज्ञानिक रहस्यों को आम लोगों तक पहुंचाने का अद्भुत प्रयास है। इस पहल से निकलने वाला निष्कर्ष मानव जीवन और सामाजिक समस्याओं के निराकरण के साथ राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए सार्थक मार्गदर्शन प्रदान होगा। उन्होंने कहा कि ज्योतिष भारत का अत्यंत समृद्ध, गूढ़ और वैज्ञानिक शास्त्र है। ऋषि-मुनि केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं थे, वे उच्च कोटि के वैज्ञानिक भी थे। आर्यभट्ट ने खगोल विज्ञान और गणित में क्रांतिकारी सिद्धांत स्थापित किए, महर्षि पराशर ने ज्योतिष शास्त्र को व्यवस्थित और वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान किया, वराहमिहिर ने खगोल, भृगु मुनि ने भविष्य कथन और कालगणना की परंपरा को समृद्ध किया। आधुनिक विज्ञान जिन खगोलीय घटनाओं को समझने के लिए विशाल यंत्रों का सहारा लेता है, उन्हीं घटनाओं के मूल सिद्धांत हमारे ऋषि-मुनियों ने सहस्त्रों वर्ष पूर्व ग्रह-नक्षत्रों की गति, समय-चक्र, मानव जीवन और प्रकृति के गहन अध्ययन कर प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योतिष शास्त्र हमें ये सिखाता है कि मानव जीवन और ब्रह्मांड एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। सूर्य, चंद्रमा और ग्रह केवल आकाशीय पिंड मात्र नहीं हैं बल्कि वे समय-चक्र, प्रकृति के संतुलन और मानव जीवन की प्रवृत्तियों को दिशा देने वाले महत्वपूर्ण कारक भी हैं। दुनिया भर में ज्योतिष और वास्तु शास्त्र का व्यापक अध्ययन किया जा रहा है। ज्योतिष जैसे पवित्र ज्ञान को पूरी जिम्मेदारी के साथ समाज के सम्मुख रखा जाए, ताकि ये जनकल्याण का माध्यम बने। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति की पताका संपूर्ण विश्व में लहरा रही है और दुनिया भर के देश हमारी प्राचीन संस्कृति, दर्शन, ज्ञान और विज्ञान से परिचित हो रहे हैं।

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार उत्तराखंड को देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों में एक-एक स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन की स्थापना भी करने जा रहे हैं। हमने राज्य में ज्योतिष विद्या को बढ़ावा देने के लिये उत्तराखंड ज्योतिष परिषद का भी गठन किया है। इससे हमारी युवा पीढ़ी प्राचीन भारतीय ज्ञान और विज्ञान को समझे और इसका लाभ उठाकर अपनी जीवन यात्रा को निर्देशित कर सके।

मुख्यमंत्री ने 106 सीटों पर जीत का जताया भरोसा

कई मुद्दों पर खुलकर रखी बात

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों की 106 विधानसभा सीटों पर जीत की पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि अंतिम फैसला असम की जनता करेगी।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को बताया कि सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर प्राथमिक स्तर पर बातचीत पूरी हो चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीट शेयरिंग पर अंतिम निर्णय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लिया जाएगा। मुख्यमंत्री एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

जनकल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के बाद दाल, चीनी और नमक पूरी तरह मुफ्त दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में लाभार्थियों से लिए जा रहे 100 रुपये भी आगे नहीं देने होंगे। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा पूछे गए 'हूं आज हिमंत बिस्व सरमा' जैसे सवाल पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरव गोगोई अपने पिता को बड़ा आदमी मानते हैं और इसी वजह से दूसरों के पिता को छोटा समझते हैं। उन्होंने इसे एक असभ्य टिप्पणी करार दिया। नोटिस जारी करने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मियां समुदाय को नोटिस जारी किए जाने की बात सही है और इससे कुछ हद तक अशांति भी हुई है, लेकिन किसी भी हिंदू या खलंजिया (स्थानीय) मुस्लिम परिवार को कोई नोटिस नहीं दिया गया है। उन्होंने साफ कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में रहेगी, अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सरकार किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगी। जब तक उनकी सरकार है मियां को चैन से नहीं रहने देंगे।

छत्तीसगढ़ के बस्तर की आराध्य मां दंतेश्वरी मंदिर में चोरी, मंदिर के कपाट अस्थाई रूप से बंद

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर, जगदलपुर में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। अज्ञात चोरों ने मंदिर के पीछे की ओर बने दरवाजे को तोड़कर गर्भगृह के अंदर प्रवेश किया और सोने-चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया है। फिलहाल मंदिर के कपाट अस्थाई रूप से बंद कर दिए गए हैं। घटना का खुलासा आज शनिवार सुबह उस समय हुआ, जब भक्त और मंदिर के पुजारी पूजा के लिए पहुंचे। मंदिर का ताला टूटा देखकर तत्काल कोतवाली थाना पुलिस को चोरी की सूचना दी गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चोर कितने आभूषण चुराकर ले गए हैं। प्रारंभिक जांच में सोने-चांदी के आभूषण चुराने की बात सामने आ रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर मंदिर परिसर की जांच शुरू कर दी गई है। शातिर चोरों ने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने के लिए पीछे की ओर बने दरवाजे के चेनल गेट का ताला तोड़कर दरवाजे के पल्ले को उखड़कर गर्भगृह के अंदर प्रवेश कर चोरी के वारदात को अंजाम दिया है। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, वहीं चोरों की आवाजाही के सुराग जुटाने के लिए शहर के अन्य सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं, सीसीटीवी में चोर कैद हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची है, जो टूटे ताले, दरवाजे और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। वहीं जांच की वजह से आम लोगों के लिए मंदिर के कपाट अस्थाई रूप से बंद दिया गया है। मंदिर पंहुचने वाले भक्त बंद मंदिर के सामने ही नारियल फूल अर्पित कर वापस लौट रहे हैं। इस संबंध में एसपी शलभ सिन्ह का कहना है कि जल्द ही चोरी में शामिल आरोपितों का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

पटना में आयोजित रोजगार मेले में 447 अभ्यर्थियों को प्राप्त हुए नियुक्ति पत्र

पटन। पटना के शास्त्री नगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में शुक्रवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें भारत सरकार के 11 विभिन्न विभागों में चयनित 447 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। यह रोजगार मेला देशभर में पटना सहित 45 स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया।

इस अवसर पर देश के युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वर्ष 2026 भारत के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी के बाद का यह समय चयनित अभ्यर्थियों के जीवन में भी नए वसंत के आगमन का संकेत देता है। प्रधानमंत्री ने नियुक्ति पत्रों को केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की यात्रा का संकल्प पत्र बताया। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति पत्र युवाओं के आत्मविश्वास और देश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़ना तथा उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से सरकारी भर्तियों को मिशन मोड में संचालित करने के लिए रोजगार मेले की शुरुआत की गई है, जिससे पारदर्शी, समयबद्ध और व्यापक भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे वैश्विक व्यापार समझौते भारत की युवा शक्ति को देश और दुनिया में नए अवसरों से जोड़ रहे हैं। साथ ही आधुनिक आधारभूत संरचना में किए जा रहे बड़े पैमाने के निवेश से निर्माण सहित अनेक क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने "नागरिक देवो भवः" मंत्र का उल्लेख करते हुए चयनित अभ्यर्थियों से ईमानदारी, निष्ठा और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराया।

पटना में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय पंचायती राज तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने चयनित अभ्यर्थियों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नियुक्ति पत्र वितरण के पश्चात उन्होंने चयनित कार्मिकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय एवं जिम्मेदार भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस रोजगार मेले में भारत सरकार के केंद्रीय सुरक्षा बलों सहित विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों ने नियुक्ति पत्र ग्रहण किए।

रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के अनुरूप यह रोजगार मेला एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। अबतक देशभर में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। इस अवसर पर निशीत कुमार उज्ज्वल (भा.पु.से), महानिरीक्षक, सशस्त्र सीमा बल, सीमांत पटना; रुडोल्फ अल्वारेस (भा.पु.से), उप-महानिरीक्षक; के. रंजीत, उप-महानिरीक्षक तथा एच. जितेन सिंह, उप-महानिरीक्षक, सशस्त्र सीमा बल, सीमांत पटना सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम सशस्त्र सीमा बल, सीमांत मुख्यालय पटना की देखरेख में संपन्न हुआ।

जम्मू-कश्मीर: बिलावर में फिर संदिग्ध हलचल, सुरक्षाबल सतर्क

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के जिला कठुआ के पहाड़ी क्षेत्र बिलावर में शनिवार को स्थानीय ग्रामीणों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा है। उसने हथियार ले रखा था। ग्रामीणों ने उसका पीछा किया, लेकिन वह जंगल की ओर भाग निकला। पुलिस और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचकर व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार सुरक्षा बल संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चला रहे हैं और इलाके पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को बिलवार में ही जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकवादी उस्मान उर्फ अबू माविया को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मार गिराया था। वह काफी समय से कठुआ और उधमपुर जिलों के पहाड़ों में सक्रिय था। अधिकारियों ने बताया था कि मारे गए आतंकवादी के पास से बरामद एम4 राइफल से पुष्टि हुई है कि वह कमांडर रैंक का था। उन्होंने बताया कि बिलवार के जंगलों में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहे सुरक्षा बलों को सूचना मिली थी कि आतंकवादियों के पास भोजन की कमी हो रही है और उनका कमांडर परहेतर गांव में पका हुआ राशन लेने आएगा। इसके मद्देनजर इलाके में गुप्त घेराबंदी कर दी गई थी। जैसे ही आतंकवादी नीचे उतरा और एक घर में घुसा सुरक्षाकर्मियों ने उसे घेर लिया।

निर्वाचन आयोग लोकतंत्र का रक्षक नहीं, 'वोट चोरी' की साज़िश का सहभागी बना : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत मुख्य विपक्षी दल समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने का दावा किया और आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग अब लोकतंत्र का रक्षक नहीं, बल्कि इस 'वोट चोरी' की साज़िश का मुख्य सहभागी बन चुका है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि एसआईआर को 'एक व्यक्ति, एक वोट' के संवैधानिक अधिकार को ख़त्म करने के हथियार में बदल दिया गया है, ताकि भाजपा तय करे कि सत्ता में कौन रहेगा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर गुजरात कांग्रेस कमेटी के एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दावा किया कि गुजरात में एसआईआर के नाम पर सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक वोट चोरी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, ₹जहां-जहां एसआईआर, वहां-वहां वोट चोरी। गुजरात में एसआईआर के नाम पर जो कुछ किया जा रहा है, वह किसी भी तरह की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है - यह सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक वोट चोरी है।₹ उन्होंने दावा किया कि सबसे चौंकाने वाली और ख़तरनाक बात यह है कि एक ही नाम से हज़ारों-हज़ार आपत्तियाँ दर्ज की गईं। राहुल गांधी ने कहा, ₹चुन-चुनकर ख़ास वर्गों और कांग्रेस समर्थक बूथों के वोट काटे गए। जहां भाजपा को हार दिखती है, वहां मतदाता ही सिस्टम से ग़ायब कर दिए जाते हैं। यही चलन आलंद में दिखा। यही राजुरा में हुआ। और अब वही ब्लूप्रिंट गुजरात, राजस्थान और हर उस राज्य में लागू किया जा रहा है, जहां एसआईआर थोपा गया है।₹ उन्होंने दावा किया कि एसआईआर को "एक व्यक्ति, एक वोट" के संवैधानिक अधिकार को ख़त्म करने के हथियार में बदल दिया गया है - ताकि जनता नहीं, भाजपा तय करे कि सत्ता में कौन रहेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ₹सबसे गंभीर सच्चाई यह है कि निर्वाचन आयोग अब लोकतंत्र का रक्षक नहीं, बल्कि इस वोट चोरी की साज़िश का मुख्य सहभागी बन चुका है।

सारंडा में नक्सली आत्मसमर्पण करें या कड़े प्रहार के लिए रहें तैयार : डीजीपी

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड के दुर्गम सारंडा जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदशा मिश्रा ने कहा है कि सारंडा बहुत जल्द पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जाएगा। चाईबासा में शनिवार को आयोजित विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डीजीपी ने इसे राज्य की आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से अबतक की सबसे बड़ी और निर्णायक सफलता करार दिया।

डीजीपी तदशा मिश्रा ने बताया कि यह कार्रवाई केवल एक मुठभेड़ तक सीमित नहीं थी, बल्कि नक्सली संगठनों के शीर्ष नेतृत्व और उनके पूरे नेटवर्क पर सीधा और रणनीतिक प्रहार था। खुफिया एजेंसियों से प्राप्त ठोस जानकारी के आधार पर छोटानागरा थाना क्षेत्र के कुमडीह और बहवा इलाकों में सुरक्षा बलों ने व्यापक घेराबंदी की थी। 22 और 23 जनवरी की रात से शुरू हुई इस कार्रवाई में कई दौर की मुठभेड़ हुई, जिसमें झारखंड पुलिस, कोबरा बटालियन और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला। डीजीपी ने बताया कि इस ऑपरेशन में एक करोड़ के इनामी कुख्यात नक्सली अनल उर्फ पतिराम मांझी और 25 लाख के इनामी अनमोल का सफाया हुआ, जो नक्सली संगठनों के लिए भारी झटका है। उन्होंने जवानों की साहसिक और अनुशासित कार्रवाई को राज्य के लिए गर्व का क्षण बताया। डीजीपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नक्सलियों के पास अब केवल दो ही विकल्प बचे हैं, आत्मसमर्पण या कानून के कड़े प्रहार के लिए तैयार रहना। उन्होंने बताया कि इस अभियान में अब तक 17 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार, जिनमें एके-47 और इंसास राइफलें शामिल हैं, भी जब्त की हैं। मारे गए प्रमुख नक्सलियों में अनल (सीसीएम), अनमोल (बीजेएसएसी), अमित मुंडा (आरसीएम), पिंटू लोहरा और लालजीत जैसे नाम शामिल हैं।

केरल कांग्रेस में अंदरूनी कलह, शशि थरूर ने नेतृत्व की अनदेखी पर जताया असंतोष

नई दिल्ली/कोझिकोड। केरल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की इकाई में एक बार फिर अंदरूनी कलह सामने आ गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और त्रिवेंद्रम से सांसद डॉ. शशि थरूर ने पार्टी हाईकमान द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार पर खुलकर नाराजगी जताई है।

यह विवाद 19 जनवरी, 2026 को कोच्चि में आयोजित महा पंचायत कार्यक्रम से शुरू हुआ, जहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मंच पर आने के बाद थरूर को अपना भाषण छोटा करना पड़ा। वहीं, राहुल गांधी ने अपने संबोधन में थरूर का नाम तक नहीं लिया, जबकि अन्य कई नेताओं का जिक्र किया। कोझिकोड में शनिवार को मीडिया से बातचीत में शशि थरूर ने कहा कि उन्होंने अपनी शिकायतें पार्टी नेतृत्व को पहले ही लिखित रूप में सौंप दी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं सार्वजनिक बहस से बचना पसंद करता हूं और अपनी चिंताओं को पार्टी के आंतरिक मंचों पर ही उठाता हूं। मीडिया में मेरे असंतोष के बारे में कुछ रिपोर्टें सही हैं, तो कुछ गलत भी।

दिल्ली में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) और हाईकमान के बीच केरल में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर हुई महत्वपूर्ण बैठक में शशि थरूर की अनुपस्थिति ने विवाद को और हवा दी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, थरूर ने पहले से ही अपनी अनुपस्थिति की जानकारी दे दी थी, क्योंकि वह कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टिवल में व्यस्त थे। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि असली वजह कोच्चि कार्यक्रम में मिला कथित अपमान है, जहां प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ और उन्हें साइडलाइन किया गया।

दूसरी ओर, पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने विवाद को कम करने की कोशिश में थरूर को 'कांग्रेस का अभिन्न अंग' बताया और कहा कि उनकी गैरमौजूदगी अक्सर पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण होती है, न कि राजनीतिक विरोध के। फिर भी, पार्टी के अंदर तनाव बरकरार है। थरूर के समर्थक मानते हैं कि पार्टी को उनके अनुभव और योगदान का सम्मान करना चाहिए, जबकि अन्य नेता चुनाव से पहले किसी भी विवाद से बचने की बात कह रहे हैं। वहीं, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केरल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले यह अंदरूनी कलह कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है।

थरूर जैसे प्रभावशाली और अनुभवी नेता की नाराजगी संगठनात्मक एकता, उम्मीदवार चयन और चुनावी रणनीति पर असर डाल सकती है। यदि हाईकमान समय रहते संवाद नहीं स्थापित कर पाया, तो यह पार्टी की एकजुट छवि को नुकसान पहुंचा सकता है और यूडीएफ की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी ने तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का भव्य शुभारम्भ किया

विकसित भारत का इंजन बनने जा रहा है उत्तर प्रदेश: अमित शाह

लखनऊ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ के बसंत कुंज योजना स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का भव्य शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अमित शाह ने विपक्ष को परिवारवादी पार्टी कहते हुए उप्र की जनता से 2027 में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने की अपील की। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं उप्र वासियों का अभिनंदन करता हूं और हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को आज हम दोहराएंगे कि 2047 में जब हम आजादी मना रहे होंगे तो भारत विकसित होगा। विकसित भारत का इंजन उत्तर प्रदेश बनने जा रहा है। हमारी उप्र की सरकार ने इस स्थल(राष्ट्र प्रेरणा स्थल) को कूड़े के ढेर से बदलकर कंचन बनाने का कार्य किया है। अमित शाह ने योगी सरकार के कार्यों की सरहारना करते हुए कहा कि उप्र सरकार युवाओं को नौकरी देने और रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है। युवाओं को ऋण दिया गया है। आज यहां व्यंजन मेला लगा है। हम 2017 को याद करना चाहेंगे। जब एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) की बात की गयी तो विपक्ष ने सवाल उठाए कि यह कैसे हो सकता है। आज हमारी डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में ओडीओपी योजना पूरे देश में अपने-अपने जिले को नई पहचान दे रही है। रोजगार दे रही है। एक जिला एक व्यंजन योजना के लिए योगी सरकार को शुभकामनाएं देता हूं। गृहमंत्री ने कहा कि एक समय में उप्र को मजदूर सप्लाई करने वाला राज्य माना जाता था। बीमारू राज्य के रूप पहचान थी। पिछले तीन वर्षों से उप्र की 17 फीसदी विकास दर रही है। केन्द्र की सारी योजनाएं आज उप्र में धरातल पर उतर रही हैं। पूरा देश जिनकी राह देख रहा था, अयोध्या में राम मंदिर बनाने का वह कार्य भी पूरा हुआ। प्रयागराज में महाकुंभ ने सनातन धर्म पूरी दुनिया में पहुंचाने का कार्य किया है। उप्र में डेटा सेंटर, सेमी कंडक्टर की फैक्टरियां लगी हैं। 2017 से पहले कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। 45 लाख करोड़ निवेश के प्रस्ताव आए। 15 लाख करोड़ के प्रस्तावों को जमीन पर उतारा जा चुका है। आज उप्र विकास के हर रास्ते पर आगे बढ़ गया है। कानून व्यवस्था कायम है। शाह ने कहा कि 2014, 2019 और 2022 के चुनाव में उप्र की जनता ने जिताया है। अगले साल चुनाव है। हम अपील करते हैं कि 2027 में उप्र की जनता प्रचंड बहुमत की सरकार बनाए। ये परिवारवादी पार्टियां राज्य का भला नहीं कर सकती हैं। वे अपना विकास करती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन सरकार ने उप्र को विकास से जोड़ा है। हर गांव में कम से कम 20 घंटा बिजली पहुंच रही है। आने वाले चुनाव में जाति पांति से ऊपर उठकर वंशवादी पार्टियों के खिलाफ सबका साथ सबका विकास करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः बनाएं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार की ओडीओपी की तर्ज पर एक जिला एक व्यंजन योजना की भी शुरुआत हुई। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल औद्योगिक क्षेत्र योजना का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल समेत अन्य नेता गण मौजूद रहे। इसके साथ ही उप्र के हर जिले में उप्र दिवस मनाया जा रहा है। तीन दिनों तक आयोजन होंगे। देश के सभी राज्यों और अन्य देशों में भी इस बार उप्र दिवस मनाया जा रहा है।

पांच विभूतियों को मिला उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान

- इस अवसर पर अंतरिक्ष विज्ञान, शिक्षा, साहित्य, महिला सशक्तिकरण और कृषि जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली पांच विशिष्ट विभूतियों को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26' से सम्मानित किया गया।
- गौरव सम्मान 2025-26 से सम्मानित होने वालों में राजधानी लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री एवं भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले प्रयागराज निवासी अलख पांडेय को उप्र गौरव सम्मान से सम्मानित हुए। अलख पांडेय ने वर्ष 2016 में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए 'फिजिक्स वाला' यूट्यूब चैनल की शुरुआत की।
- साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बुलंदशहर के बुटना गांव में जन्मे डॉ. हरिओम पंवार इस वर्ष उप्र गौरव सम्मान प्राप्त किया। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मेरठ के नारंगपुर में 22 अक्टूबर 2007 को श्रीमद् दयानंद आर्ष कन्या गुरुकुल की स्थापना करने वाली रश्मि आर्य को गौरव सम्मान प्रदान किया गया। उनका गुरुकुल वैदिक संस्कृति और आधुनिक शिक्षा का सुंदर समन्वय है।
- कृषि क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए वाराणसी निवासी डॉ. सुधांशु सिंह को उप्र गौरव सम्मान मिला है। उन्होंने आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या से स्वर्ण पदक के साथ कृषि में स्नातक किया तथा फिलीपींस के आईआरआरआई से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की।

उत्तर प्रदेश के विकास से देश को गति मिलेगी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास से देश को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में उप्र दिवस का कार्यक्रम आज हो रहा है। 2018 में पहली बार स्थापना दिवस का कार्यक्रम हुआ था। एक जनपद एक उत्पाद योजना आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की एक नयी ताकत बनी है। एक जनपद एक व्यंजन यह योजना आज लागू की है। स्थानीय उत्पाद को वैश्विक पहचान दिला सकें, इसलिए 75 जिलों में 75 प्रकार के भोजन सामग्री को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप्र दिवस के अवसर पर प्रदेश की जनता के लिए आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिखित संदेश को पढ़कर सुनाया। उन्होंने कहा कहा कि उत्तर प्रदेश असीम संभावनाओं का प्रदेश है। उत्तर प्रदेश आज मजबूत कानून व्यवस्था का आधार बन गया है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर तीव्र गति से बढ़ रहा है। डबल इंजन की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को शून्य से शिखर की ओर ले जाने का काम कर रहे हैं। आज संकल्प लें कि उत्तर प्रदेश से गरीबी को मार भगायेंगे। सबके जीवन में खुशहाली लायेंगे। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने यूपी दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार चहुंमुखी विकास कर रही है।

उत्तर प्रदेश से होकर जाता है विकसित भारत का रास्ता : पंकज चौधरी

लखनऊ। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शनिवार को यहां राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश को गति व दिशा देने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि बीमारू व पिछड़ा कहा जाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास, विश्वास और विरासत का माडल बन गया है। उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। यहां पर माफिया इतिहास बन चुके हैं। सरकारी नीतियों की वजह से उत्तर प्रदेश आज निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। यहाँ सिर्फ घोषणाएं नहीं होती हैं। उत्तर प्रदेश बढ़ रहा है। उप्र अपना भविष्य गढ़ रहा है। विकसित भारत का रास्ता विकसित उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दुनिया में देश का गौरव बढ़ाने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। देश हमें 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था पर मिला था, उसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 04 नंबर पर पहुंचाने का काम हमारी सरकार ने किया है। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। इससे पहले चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर पंकज चौधरी ने अमित शाह का स्वागत किया।

अदालत या पुलिस जांच से जुड़ी होने पर ही मिलेगी अस्पतालों की सीसीटीवी फुटेज: उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग ने एक महत्वपूर्ण व्यवस्था देते हुए कहा है कि अस्पताल परिसरों की सीसीटीवी फुटेज तभी उपलब्ध कराई जा सकती है, जब वह किसी अदालती आदेश या पुलिस जांच का हिस्सा हो। राज्य सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम की पीठ ने सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत अस्पताल की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग पर यह व्यवस्था दी।

अपने आदेश में सूचना आयुक्त ने कहा, "जब तक अस्पताल परिसर की सीसीटीवी फुटेज किसी पुलिस जांच या न्यायालय के आदेश का हिस्सा न हो, तब तक उसे किसी भी व्यक्ति को उसकी मांग पर उपलब्ध नहीं कराया जा सकता।"

बिजनौर जिले के एक अस्पताल की सीसीटीवी फुटेज की मांग से जुड़ी कुलवंत सिंह की अपील पर सुनवाई करते हुए आयोग ने कहा कि यदि फर्जी मेडिकल से संबंधित आरोप सत्य भी हों, तो उनके परीक्षण के लिए पुलिस जांच, सक्षम न्यायालय या विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई ही उपयुक्त मंच है। सूचना का अधिकार अधिनियम को जांच या सुनवाई का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। सूचना आयुक्त ने कहा, "अस्पताल एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों मरीज, उनके परिजन, चिकित्सक और स्टाफ का आवागमन रहता है।"

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोहम्मद नदीम ने कहा, "सीसीटीवी फुटेज में केवल अपीलकर्ता ही नहीं, बल्कि कई अन्य मरीजों और व्यक्तियों की गतिविधियां भी रिकॉर्ड होती हैं। यह सभी की निजता से जुड़ा मामला है और जब तक कोई ठोस कारण या व्यापक लोकहित न हो, आरटीआई कानून किसी की निजता के उल्लंघन की अनुमति नहीं देता।" उन्होंने कहा, "हम किसी एक व्यक्ति को अपनी शिकायत को मजबूत करने के लिए सैकड़ों अन्य लोगों की निजता में दखल देने का अधिकार नहीं दे सकते।" सूचना आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पुलिस जांच या न्यायालय के आदेश के अतिरिक्त किसी तीसरी स्थिति में फुटेज उपलब्ध कराने पर तभी विचार किया जा सकता है, जब उससे किसी अन्य व्यक्ति की निजता प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की शिकायतों को पुष्ट करने के लिए अस्पतालों की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

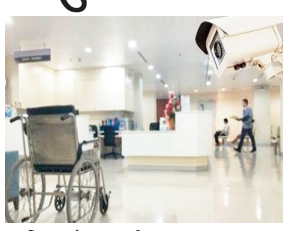

सिपाही ने फंदा लगाकर आत्महत्या की पुलिस ने शुरू की जांच

संभल। संभल जिले के गुन्नौर कोतवाली स्थित आवास में एक सिपाही ने कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। गुन्नौर कोतवाली के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राजीव कुमार मलिक ने बताया कि शुक्रवार रात कोतवाली में ही बने एक कमरे में आरक्षी लिपिक आशीष वर्मा (23) ने रस्सी के फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि घटना के बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके पर मुआयना किया जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एसएचओ ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल के एक 'साइन बोर्ड' से टकराने से तीन युवकों की मौत

उन्नाव। जिले के पुरवा कोतवाली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे लोहे के 'साइन बोर्ड' से टकरा गई, जिससे उस पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई।

पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना शुक्रवार की रात जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर पुरवा कोतवाली क्षेत्र के गदोरवा गांव के पास अचलगंज–पुरवा मार्ग पर हुई। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार के कारण मोटरसाइकिल बेकाबू हो गई और साइन बोर्ड से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक उछलकर करीब 10 फुट दूर जा गिरे। मृतकों की पहचान बीघापुर थाना क्षेत्र के अढ़ोली गांव निवासी अनुराग (31), बेसनखेड़ा निवासी राहुल पाल (26) और तौरा निवासी सौरभ (25) के रूप में हुई है। अनुराग और राहुल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल सौरभ ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घायल सौरभ करीब आधे घंटे तक सड़क पर तड़पता रहा। बाद में वहां से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे कोतवाल अमरनाथ यादव ने सभी को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुरवा भेजा, जहां चिकित्सक ने शुरुआती इलाज के बाद सौरभ को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, अनुराग पेशे से ट्रक चालक था और तीन दिन पहले ही पिता बना था।

राहुल की शादी आगामी अप्रैल माह में होनी थी और वह दूध का व्यवसाय करता था। सौरभ पुणे में नौकरी करता था। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

रिश्वत लेने वाले दरोगा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बलिया। जिले में एक मामले की जांच के लिए रिश्वत लेने के आरोप में एक पुलिस उपनिरीक्षक (दरोगा) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है तथा उसे निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, बांसडीह रोड थाने में थाना प्रभारी वंश बहादुर सिंह की तहरीर पर उप निरीक्षक रमाशंकर यादव के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 13 में शुक्रवार को नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। एसपी ओमवीर सिंह ने दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि आरोप है कि बांसडीह रोड थाना में जैनेन्द्र पाल के खिलाफ दर्ज मामले की जांच करते हुए उप निरीक्षक रमाशंकर यादव ने मुकदमे के वादी से अनुचित धन लाभ प्राप्त किया। मामले की प्रारंभिक जांच करने वाले अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) दिनेश कुमार शुक्ला ने शनिवार को बताया कि जांच में यह स्पष्ट हुआ है आरोपी पुलिस उप निरीक्षक ने 17 हजार रुपये अनुचित तरीके से प्राप्त किए और उसने बाद में दस हजार रुपये लौटा भी दिए। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने आरोपी उपनिरीक्षक को शुक्रवार को निलंबित कर दिया।

ट्रक की टक्कर से ऑटो सवार दुल्हन के चचरे भाई-बहन समेत तीन की मौत, 13 घायल

झांसी। जिले के गुरसरांय थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात को डॉ. राम मनोहर लोहिया महिला महाविद्यालय के पास ट्रक और ऑटो की भिड़ंत हो गई। हादसे में ऑटो सवार दुल्हन के चचेरे भाई-बहन और पंडित की मौत हो गई, जबकि परिवार के 13 लोग घायल हो गए। सभी सगाई करके ऑटो से घर लौट रहे थे। घटना के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भाग गया।

गुरसराय थाना क्षेत्र के कैरोखर गांव निवासी चिरंजीलाल कोरी के छोटे भाई राकेश की बेटी रानी की शादी गरौठा के बंगरा बिरौना गांव में तय हुई थी। शुक्रवार को गुरसराय के विनीत पैलेस में सगाई समारोह था। इस कार्यक्रम में परिजन और रिश्तेदार आदि गए थे। रात लगभग 11 बजे तक गोद भराई, फलदान और सगाई की रस्म समाप्त हो गई तो सभी लोग घर के लिए रवाना हो गए।

दुल्हन रानी और उसके माता-पिता गुरसराय के घर पर रुक गए। बाकी परिजनों को रानी का चचेरा भाई नारायण दास अपने ऑटो से गांव ले जा रहा था। ऑटो में 16 लोग सवार थे। रात लगभग 12 बजे के बाद ऑटो डॉ. राम मनोहर लोहिया महिला महाविद्यालय के पास पहुंचा तो सामने से तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। इस घटना में दुल्हन की चचेरी बहन जानकी की मौके पर ही मौत हो गई। सगाई कराने गए गांव के पंडित सीता रमैया गौतम (60) और ऑटो चालक नारायण दास समेत सभी सवारियां घायल हो गयी।

सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान पंडित सीता रमैया और ऑटो चला रहा चचेरा भाई नारायण दास (40) ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। गुरसराय थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि घटना के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भाग गया। परिजनों की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश की जा रही है।

जिम की आड़ में धर्मांतरण, फरार आरोपितों पर इनाम घोषित

मीरजापुर। जिले में जिम के जरिए कथित धर्मांतरण कराने के मामले में फरार चल रहे आरोपित अशफाक उर्फ लकी और इमरान पर पुलिस ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। दोनों की गिरफ्तारी के लिए लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है, जबकि पुलिस की आधा दर्जन से अधिक टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। यह मामला 20 जनवरी को देहात कोतवाली क्षेत्र की दो युवतियों की तहरीर पर दर्ज किया गया था।

पुलिस अब तक यूपी पुलिस के एक सिपाही समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। साथ ही केजीएन-1, केजीएन-2, केजीएन-3, आयरन फायर और बी फिट समेत पांच जिम सील किए जा चुके हैं।पुलिस की शुरुआती जांच में करीब 50 युवतियों की तस्वीरें बरामद होने की बात सामने आई है। जांच में खुलासा हुआ है कि जिम ट्रेनरों के माध्यम से संगठित ढंग से धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। यह पूरा नेटवर्क एक सिंडिकेट की तरह काम कर रहा था और आरोपित व्हाट्सएप के जरिए आपस में संपर्क में रहते थे। फरार आरोपित इमरान के संबंध जिले के कुछ प्रमुख राजनीतिक व्यक्तियों से बताए जा रहे हैं। नेताओं के साथ उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला और संवेदनशील हो गया है। बताया जा रहा है कि कभी मात्र 10 हजार रुपये की पगार पर ट्रेनर की नौकरी करने वाले इन युवकों ने कुछ ही वर्षों में करोड़ों की लागत से तीन जिम खड़े कर दिए। तीनों जिम में करीब 60 लाख रुपये के उपकरण लगाए गए थे।

पुलिस का कहना है कि विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। जिला प्रशासन भी जिम के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई में जुट गया है। पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि मामले में किसी भी तरह का दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार के नीचे फंसा मिला शव, पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर शुरू की पूछताछ

बदायूं। जिला मुख्यालय के सदर कोतवाली क्षेत्र में लालपुर तिराहे के पास शुक्रवार रात राहगीरों ने एक चलती कार के नीचे शव फंसा देखा, जिसके बाद उन्होंने तुरंत वाहन रुकवाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। नगर क्षेत्र के क्षेत्राधिकारी (सीओ) रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 10 बजे सूचना मिली कि सदर कोतवाली क्षेत्र में एक कार के नीचे युवक का शव फंसा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन के चालक को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि कार के नीचे से मिले शव की पहचान बिल्सी निवासी घरेन्द्र कुमार सिंह के रूप में हुई है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सीओ ने बताया कि कार चालक की पहचान सिविल लाइंस क्षेत्र निवासी परवेंद्र प्रताप सिंह के रूप में हुई है और उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, चालक परवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उसे करीब आठ से 10 किलोमीटर पहले किसी चीज से टकराने का अहसास हुआ था, लेकिन तेज बारिश के कारण उतरकर देखने पर कुछ दिखाई नहीं दिया। जब शहर में लोगों ने कार रुकवाई, तब घटना का पता चला। सीओ ने कहा कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

यूजीसी के प्रस्तावित कानून को लेकर धर्म रक्षा आंदोलन ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

जौनपुर। जिले में यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नए कानून "उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा"-2026" के विरोध में शनिवार को धर्म रक्षा आंदोलन के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। संगठन ने इस कानून को भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे सामाजिक समरसता और संविधान की मूल भावना के खिलाफ करार दिया तथा तत्काल वापस लेने की मांग की।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए संगठन के संयोजक चंद्रमणि पाण्डेय ने कहा कि यह कानून देश और समाज के लिए अत्यंत घातक सिद्ध होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित कानून जाति के आधार पर शैक्षणिक संस्थानों को एकपक्षीय और असीमित अधिकार देता है, जिसका दुरुपयोग सामान्य वर्ग के छात्रों के खिलाफ किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि कानून की सबसे बड़ी खामी यह है कि आरोप लगाने वाले को सामने आकर आरोप सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं है और झूठा आरोप सिद्ध होने पर भी कोई दंडात्मक प्रावधान नहीं किया गया है। यह भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त समान अवसर के अधिकार का सीधा उल्लंघन है।

ऐसे प्रावधानों से शैक्षणिक संस्थानों में आपसी वैमनस्यता और जातिवादी संघर्ष को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से योगेश द्विवेदी, विकास पाण्डेय, विपिन पाण्डेय, शैलेन्द्र प्रजापति, गिरिजेश दुब, सूर्य भूषण त्रिपाठी, सत्य प्रकाश पाण्डेय, सत्य प्रकाश दुबे, उदय प्रताप सिंह और छोटेलाल यादव सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसओजी टीम पर हमला करने वाले तीन बैटरी चोर गिरफ्तार

बरेली। बिथरी चैनपुर क्षेत्र में डंपरों से चोरी हुई बैटरियों के मामले की जांच में जुटी एसओजी पर गुरुवार रात हुए हमले के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार देर रात को पुलिस ने 45 चोरी की बैटरियों के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जो बैटरियां लेकर जिले से बाहर फरार होने की कोशिश कर रहे थे। एसएसपी अनुराग आर्या ने शनिवार को बताया कि कुछ दिन पहले बिथरी चैनपुर इलाके में एक निर्माण साइट पर खड़े पांच डंपरों से महंगी बैटरियां चोरी हुई थी। एसओजी को जांच के दौरान पता चला कि आरोपित संगठित तरीके से बैटरियों की चोरी कर उन्हें बाहर बेचने का काम कर रहे थे। शुक्रवार रात पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि चोरी की बैटरियां एक वाहन में लादकर बाहर ले जाई जा रही हैं। इस पर एसओजी और स्थानीय पुलिस ने बेनीपुर नहर जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। पुलिस को देखते ही आरोपित भागने लगे तो पुलिस ने दौड़ाकर तीनों को मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान वाहन 45 छोटी-बड़ी चोरी की बैटरियां बरामद की गईं। पूछताछ में आरोपित धर्मवीर, वारिश और सैफ ने स्वीकारा कि एक दिन पहले फरीदापुर इनायत खां क्षेत्र में एसओजी टीम ने उन्हें पकड़ लिया था। उसी दौरान सड़क पर जाम लगा और अचानक भीड़ जमा हो गई। इसी अफरा-तफरी में दबंगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया था, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हमले की आड़ में आरोपी वाहन समेत फरार हो गए थे। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि पुलिस टीम पर हमले को गंभीरता से लेते हुए एसओजी और स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आखिरकार बैटरी चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

भारत की निगाह श्रृंखला जीतने पर इशान किशन ने बढ़ाया संजू सैमसन पर दबाव

गुवाहाटी। पहले दोनों मैच आसानी से जीतने के बाद भारत रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा जिसमें संजू सैमसन के प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेंगी क्योंकि ईशान किशन ने पिछले मैच में शानदार वापसी करके उन पर दबाव बढ़ा दिया है। किशन की शानदार पारी से इस बात पर बहस फिर से शुरू हो जाएगी कि अभिषेक शर्मा का पसंदीदा सलामी जोड़ीदार कौन होना चाहिए, क्योंकि सैमसन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए जूझ रहे हैं। टी20 विश्व कप के शुरू होने में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी बचे तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में भारत की टीम संयोजन काफी हद तक तय लग रहा है।

भारत बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केवल कुछ स्थान को लेकर ही टीम चिंतित होगी जिनमें से एक स्थान फिलहाल सैमसन के पास है। किशन की 32 गेंदों पर खेली गई शानदार 76 रनों की पारी ने संजू पर दबाव बढ़ा दिया है। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की जगह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में बहाल किए गए सैमसन मौकों का पूरा फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जबकि उन्हें काफी मैच खेलने का मौका मिला है। गिल तकनीकी रूप से मजबूत होने के बावजूद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए थे और इसलिए संजू को अंतिम एकादश में शामिल करने के साहसिक फैसले के तहत उन्हें बाहर कर दिया गया। लेकिन अपने पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम में वापसी करने पर केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। ऐसे में यह श्रृंखला उनके लिए निर्णायक साबित हो सकती है। तेज गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के दौरान वह तेज गेंदबाजों के हाथों पांच बार सस्ते में आउट हो गए। इसमें जोफ्रा आर्चर के हाथों लगातार तीन बार आउट होना भी शामिल है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो मैच में वह केवल 10 और छह रन ही बना सके और उन्हें क्रमशः काइल जैमीसन और मैट हेनरी ने आउट किया। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज डब्ल्यूवी रमन ने रायपुर में आउट होने के बाद सोशल मीडिया पर इसका सटीक वर्णन किया।

रमन ने एक्स पर पोस्ट किया, ''जब तक सैमसन गेंद की गति के अनुसार अपने बल्ले की गति को समायोजित नहीं करता, तब तक उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहेगा। सरल शब्दों में कहें तो कोई भी कार को हर समय, हर जगह एक ही गति से नहीं चला सकता।'' भारत के लिए यह अच्छी खबर है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी चिर परिचित फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने 37 गेंद पर 82 रन बनाकर पिछले 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों के बाद अपना पहला अर्धशतक जड़ा। भारत पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है लेकिन उसे किसी तरह के मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि न्यूजीलैंड की टीम वापसी करने में माहिर है जैसा उसने इससे पहले खेली गई वनडे श्रृंखला में किया था। पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक पहली गेंद पर आउट हो गए थे और वह यहां बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। सैमसन और अभिषेक की जल्दी आउट होने के कारण भारत का स्कोर एक समय दो विकेट पर छह रन था इसके बाद किशन ने तूफानी पारी खेली।

उन्होंने केवल 21 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया जिससे भारत 28 गेंद शेष रहते हुए मैच जीतने में सफल रहा। गेंदबाजी में अर्शदीप ने पहले दो ओवर में 36 रन दिए लेकिन भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की। भारत को उम्मीद होगी कि विश्व कप से पहले अक्षर पटेल की उंगली की चोट गंभीर न हो और उन्हें खेलने का अधिक समय मिले। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच में आराम दिया गया था। यहां उनकी वापसी की उम्मीद है। मैचों के बीच का अंतराल बहुत कम है, इसलिए टीम प्रबंधन ने तेज गेंदबाजों को रोटेट करने का फैसला किया है।

जहां तक न्यूजीलैंड की बात है तो यह देखना बाकी है कि वे इस करारी हार के बाद कैसे वापसी करते हैं। मिचेल सैंटनर की अगुवाई वाली टीम कुछ रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है। वह शानदार फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेज सकता है। न्यूजीलैंड की आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस बार बेहद निराशाजनक रही। सैंटनर और ईश सोढ़ी सहित उसके खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े। न्यूजीलैंड को इस विभाग में तुरंत सुधार करने की जरूरत है।

इस प्रकार हैं टीम

- **भारतः** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।
- **न्यूजीलैंडः** मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

यानिक सिनर, मैडिसन कीज और जेसिका पेगुला ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न। पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश करके खिताबी हैट्रिक बनाने की अपनी कवायद जारी रखी। सिनर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया। शनिवार दोपहर को रॉड लेवर एरिना में खेल कुछ मिनटों के लिए रोक दिया गया और छत बंद कर दी गई। इसके बाद सिनर ने नई ऊर्जा के साथ कोर्ट पर कदम रखा।

उन्होंने अगले छह गेम में से पांच जीतकर 85वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इलियट स्पिजिर्री को 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। सिनर ने बाद में कहा, ''आज मुझे शारीरिक रूप से काफी परेशानी हुई। गर्मी के नियम की वजह से मुझे राहत मिली। जैसे-जैसे समय बीतता गया, मैं बेहतर महसूस करने लगा।'' सिनर अगले दौर में इटली के हमवतन खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी का सामना करेंगे, जिन्होंने नंबर 15 करेन खाचानोव को 7-6 (5), 3-6, 6-3, 6-4 से हराया।

इटली के तीन खिलाड़ी अंतिम 16 में पहुंच गए हैं। इनमें तीसरे खिलाड़ी पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी हैं जिन्होंने जॉन केन एरिना में खेले गए मैच में टॉमस माचक को 5-7, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। इस मैच को भी पांचवें सेट में छत बंद करने के लिए थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा था। विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मार्गरेट कोर्ट एरिना पर मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट को 6-4, 6-4, 7-6 (5) से पराजित किया।

इस बीच महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज और उनकी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके चौथे दौर में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने रोड लेवर एरिना में खेले गए पहले मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए पहले मैच में ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। सातवें दिन खेल निर्धारित समय से एक घंटा पहले शुरू हुआ, क्योंकि पूर्वानुमान में 40 डिग्री सेल्सियस (104 फ़ारेनहाइट) तक के तापमान की आशंका थी। शुरुआती मैचों के दौरान तापमान उस स्तर तक नहीं पहुंचा। इस दौरान तापमान 32 डिग्री सेल्सियस (89 फ़ारेनहाइट) रहा। कीज ने कहा कि उन्हें चौथे दौर में पेगुला के खिलाफ कड़े मुकाबले की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''जेस बेहतरीन खिलाड़ी है। वह हर मैच में लगातार अच्छा प्रदर्शन करती है। वह हर मैच में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराती है। उसके खिलाफ मुकाबला काफी कड़ा होगा।''

अनाहत सिंह स्प्राट चैंपियंस स्क्वाश के दूसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली। महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतिम क्षणों में कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद लूसी टरमेल को हराकर न्यूयॉर्क में चल रहे स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। विश्व में 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता में इंग्लैंड की टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त सतोमी वातानाबे से होगा। इस बीच पुरुषों की विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज भारत के अभय सिंह स्पेन के इकर पजारेस के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से हार गए।

प्रतिका रावल, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ भारत की टेस्ट टीम में शामिल

नई दिल्ली। पिछले साल महिला वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के अलावा बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को छह से नौ मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत की 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

यह टेस्ट मैच 15 फरवरी से शुरू होने वाले सीमित ओवरों के मैचों (तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे) के बाद खेला जाएगा। प्रतिका का वनडे में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने इस प्रारूप में 24 मैचों में 50.45 के औसत से 1110 रन बनाए, जिसमें दो शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। इसका यह भी मतलब था कि यह सलामी बल्लेबाज टखने की चोट से काफी हद तक उबर चुकी थीं, जिसके कारण उन्हें पिछले साल के महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल और फाइनल से बाहर बैठना पड़ा था। हालांकि यह 25 वर्षीय खिलाड़ी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है। वैष्णवी ने 2025 की शुरुआत में भारत की अंडर-19 विश्व कप जीत के दौरान अपनी छाप छोड़ी थी।

उन्होंने दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान सीनियर टीम की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। इस 20 वर्षीय स्पिनर ने अब तक पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। तेज गेंदबाज क्रांति ने भी पिछले साल भारत के लिए पदार्पण किया था और वह अब तक 15 वनडे और चार टी20 मैच खेल चुकी हैं। 50 ओवर के प्रारूप में उनका प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा है, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए हैं। मुंबई की 25 वर्षीय तेज गेंदबाज सयाली सतघरे को भी टीम में लिया गया है जिसके कारण अनुभवी अरुंधति रेड्डी को मौका नहीं मिला। इस बीच युवा विकेटकीपर जी कमलिनी चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं और चयनकर्ताओं ने उनकी जगह उमा छेत्री को टी20 और वनडे टीमों में शामिल किया है। चयनकर्ताओं ने एसीसी राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारत ए टीम का चयन भी कर लिया है, जिसकी कप्तानी बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव करेंगी।

भारत की टेस्ट टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना , शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष , उमा छेत्री , प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

प्रतिभाशाली बल्लेबाज अनुष्का शर्मा को उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 13 से 22 फरवरी के बीच थाईलैंड में खेला जाएगा। भारत इस टूर्नामेंट में यूएई (13 फरवरी), पाकिस्तान ए (15 फरवरी) और नेपाल (17 फरवरी) के खिलाफ खेलेगा।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

पूर्वी तट रेलवे ने 294 दिनों में हासिल की 23,000 करोड़ की माल ढुलाई आय

भुवनेश्वर। पूर्वी तट रेलवे (ईकॉर) ने चालू वित्त वर्ष के दौरान मात्र 294 दिनों में 23,000 करोड़ रुपये की माल ढुलाई आय का लक्ष्य हासिल कर लिया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। पूर्वी तट रेलवे ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 19 जनवरी को कंपनी ने यह मुकाम हासिल किया। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 27 दिन पहले हासिल किया गया, जब ऐसी ही उपलब्धि 321 दिनों में पाई गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''यह शानदार प्रदर्शन इस क्षेत्र के निरंतर विकास और परिचालन दक्षता को दर्शाता है।'' पूर्वी तट रेलवे की कुल प्रारंभिक आय 2025-26 में दिसंबर 2025 तक सालाना आधार पर 21,543 करोड़ रुपये से बढ़कर 23,959 करोड़ रुपये हो गई है, जो 11.21 प्रतिशत की वृद्धि है। इस दौरान यात्री आय सालाना आधार पर 1,764.32 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,835.91 करोड़ रुपये हो गई। माल ढुलाई से होने वाली आय 19,482.63 करोड़ रुपये से बढ़कर 21,749.38 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इसके अलावा, अन्य स्रोतों से होने वाली आय भी 155.95 करोड़ रुपये से काफी बढ़कर 239.15 करोड़ रुपये हो गई।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बैंकिंग सिस्टम में 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी डालेगा

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा कि वह कई माध्यमों से बैंकिंग प्रणाली में 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी डालेगा। आधिकारिक बयान में कहा गया, ''मौजूदा नकदी और वित्तीय स्थितियों की समीक्षा के बाद आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी डालने का निर्णय लिया है।'' इन उपायों में 30 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाने वाली 25 हजार करोड़ रुपये की राशि के लिए 90 दिवसीय वेरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी और चार फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाली तीन साल की अवधि के लिए 10 अरब डॉलर यानी 91,000 करोड़ रुपये की अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपया खरीद-बिक्री अदला- बदली नीलामी शामिल है। रिजर्व बैंक के बयान के अनुसार केंद्रीय बैंक खुले बाजार के परिचालन (ओएमओ) मार्ग के तहत कुल एक लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीद भी करेगा। इसके तहत पांच फरवरी और 12 फरवरी को 50-50 हजार करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे जाएंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि प्रत्येक उपाय के लिए विस्तृत निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

इंडिगो ने हवाई अड्डों पर 717 'स्लॉट' खाली किए, विमानन मंत्रालय ने अन्य एयरलाइनों से मांगे आवेदन

मुंबई। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन 'इंडिगो' ने विभिन्न घरेलू हवाई अड्डों पर 700 से अधिक ''स्लॉट'' खाली कर दिए हैं। दिसंबर की शुरुआत में परिचालन में भारी व्यवधान को देखते हुए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन की सर्दियों की उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी, जिसके बाद कंपनी ने यह कदम उठाया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे पर किसी विमान के उड़ान भरने और उतरने के लिए दिए गए निश्चित समय को ''स्लॉट'' कहा जाता है।

सूत्रों ने बताया कि खाली किए गए कुल 717 'स्लॉट' में से 364 दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे छह प्रमुख मेट्रो हवाई अड्डों के हैं। इनमें सबसे अधिक 'स्लॉट' हैदराबाद और बेंगलुरु के हैं। आंकड़ों के अनुसार, ये 'स्लॉट' जनवरी से मार्च की अवधि के लिए खाली किए गए हैं। इस घटनाक्रम के बीच, नागर विमानन मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को अन्य एयरलाइनों से इंडिगो द्वारा खाली किए गए इन 'स्लॉट' पर घरेलू उड़ानें संचालित करने के लिए आवेदन मांगे हैं। एक सूत्र ने कहा, ''इंडिगो ने मंत्रालय को 717 'स्लॉट' की सूची सौंपी है। पिछले साल दिसंबर में शीतकालीन उड़ानों के समय में 10 प्रतिशत की कटौती के बाद इन्हें खाली किया गया है।''

डीजीसीए ने यह निर्देश अंतिम समय में उड़ानों के रद्द होने को रोकने और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिया था। इंडिगो को 2025-26 के शीतकालीन कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन 2,144 उड़ानों के संचालन की अनुमति थी, जो 10 प्रतिशत की कटौती के बाद घटकर 1,930 रह गई है। पिछले साल 3 से 5 दिसंबर के बीच इंडिगो ने 2,507 उड़ानें रद्द की थीं और 1,852 उड़ानें देरी से चली थीं, जिससे देश भर में तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए थे।

परिचालन में भारी व्यवधान को देखते हुए डीजीसीए ने इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी, जिसका सीधा अर्थ है कि एयरलाइन ने विभिन्न स्लॉट में अपनी सेवाओं का संचालन बंद कर दिया है। एयरलाइन उद्योग जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि अन्य एयरलाइनें इन 'स्लॉट' को लेने में अधिक रुचि नहीं दिखा सकती हैं क्योंकि इतने कम समय में नेटवर्क की योजना बनाना और नए मार्गों पर उड़ानें शुरू करना संभव नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, किसी नए रूट को शुरू कर केवल एक महीने बाद उसे बंद करना व्यावहारिक नहीं है। इसके अलावा, इनमें से अधिकतर 'रेड-आई' उड़ानें (देर रात या तड़के संचालित होने वाली उड़ानें) हैं, जिसके कारण एयरलाइनें इन्हें लेकर उत्साहित नहीं हैं।

नागर विमानन मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एयरलाइनों को भेजे गए संदेश में स्पष्ट किया है कि इच्छुक एयरलाइनों को खाली 'स्लॉट' का उपयोग करने के लिए अपने मौजूदा मार्गों को बंद नहीं करना चाहिए। इससे पहले 17 जनवरी को डीजीसीए ने परिचालन में खामियों के लिए इंडिगो पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एलबर्स को चेतावनी भी दी थी। नियामक ने एयरलाइन को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने का भी निर्देश दिया है।

अदाणी पोर्ट्स विझिंजम बंदरगाह के दूसरे चरण के विकास में 16,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

तिरुवनंतपुरम। अदाणी पोर्ट्स विझिंजम समुद्री बंदरगाह के दूसरे चरण का विकास लगभग 16,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से करेगी। सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में आधिकारिक घोषणा शनिवार को होने वाले उद्घाटन समारोह के दौरान हो सकती है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन विकास के दूसरे चरण का उद्घाटन शनिवार शाम करेंगे। सूत्रों ने बताया कि अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) को उम्मीद है कि दूसरे चरण का विकास विझिंजम को भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा पारेषण केंद्र बना देगा। इससे बंदरगाह की मौजूदा क्षमता में 41 लाख टीईयू (20 फुट के बराबर की इकाई) का इजाफा होगा।

सूत्रों ने आगे कहा कि विझिंजम वर्तमान में भारत का सबसे उन्नत और पूरी तरह से स्वचालित पारेषण केंद्र है, लेकिन इसके दूसरे चरण का विकास अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों के साथ किया जाएगा। दूसरे चरण के उपकरणों में 21 स्वचालित क्रेन, 45 स्वचालित कैंटिलीवर रेल-माउंटेड गैन्ट्री क्रेन, एक रेल हैंडलिंग यार्ड और अत्याधुनिक इलेक्ट्रिकल और स्वचालन प्रणाली शामिल होंगे।

ट्राइडेंट रियल्टी पानीपत में 1,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नई दिल्ली। ट्राइडेंट रियल्टी अपनी विस्तार योजना के तहत हरियाणा के पानीपत में 125 एकड़ की एकीकृत टाउनशिप विकसित करने के लिए 1,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। गुरुग्राम स्थित ट्राइडेंट रियल्टी ने हाल ही में 'ट्राइडेंट पार्कटाउन' नाम से अपनी टाउनशिप शुरू की है, जहां वह आवासीय प्लॉट, इंडिपेंडेंट फ्लोर, समूह आवास और वाणिज्यिक स्थल की पेशकश करेगी। ट्राइडेंट रियल्टी ने एक बयान में कहा कि इस टाउनशिप को विकसित करने के लिए कुल निवेश लगभग 1,200 करोड़ रुपये अनुमानित है।

राष्ट्रीय बिजली रैंकिंग में टाटा पावर की अगुवाई वाली ओडिशा डिस्काम का दबदबा

नई दिल्ली। टाटा पावर के नेतृत्व वाली ओडिशा की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) ने बिजली क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाते हुए वित्त वर्ष 2024-25 की '14वीं एकीकृत रेटिंग और रैंकिंग रिपोर्ट' में अग्रणी स्थान हासिल किया है। बिजली मंत्रालय की इस रिपोर्ट में देश भर की कुल 65 बिजली वितरण उपयोगिताओं का मूल्यांकन किया गया। यह लगातार तीसरा साल है, जब टाटा पावर के नेतृत्व वाली इन कंपनियों को राज्य के बिजली बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।

एक बयान के अनुसार टाटा पावर की अगुवाई वाली डिस्काम टीपीएनओडीएल को राष्ट्रीय स्तर पर 9वां स्थान मिला। इसके अलावा टीपीएनओडीएल और टीपीसीओडीएल ने अपनी प्रतिष्ठित 'ए प्लस' श्रेणी को बरकरार रखा। टीपीडब्ल्यूओडीएल को 'ए' श्रेणी मिला। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार ओडिशा के बिजली ढांचे में यह सुधार एक आधुनिक और लचीले पावर ग्रिड की दिशा में सफल बदलाव का संकेत है। इन उच्च रैंकिंग के पीछे सबसे प्रमुख कारक बिलिंग दक्षता में आया सुधार रहा है। वित्तीय अनुशासन के मामले में भी तीनों डिस्काम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है ।

ओडिशा वितरण व्यवसाय के प्रमुख और टीपीएनओडीएल के सीईओ गजानन काले ने कहा, ''ये राष्ट्रीय रैंकिंग उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने पर हमारी टीम के निरंतर ध्यान का परिणाम हैं। देश की शीर्ष 10 उपयोगिताओं में शामिल होना तकनीकी निवेश और ग्राहक केंद्रित पहलों के कारण संभव हो सका।

एयर इंडिया कुछ सीमाओं के साथ संचालित करेगी नया ड्रीमलाइनर, एफएए की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। एयर इंडिया अपने नए बोइंग 787-9 विमान को कुछ सीमाओं के साथ संचालित करेगी। सूत्रों के अनुसार टाटा समूह के स्वामित्व वाली यह एयरलाइन विमान के 'बिजनेस क्लास सुइट्स' में निजता के लिए खिसकने वाले दरवाजे और 'इकोनॉमी क्लास' की 18 सीटों के लिए अमेरिकी नियामक एफएए (एफएए) की मंजूरी का इंतजार कर रही है। टाटा समूह के जनवरी 2022 में एयर इंडिया का स्वामित्व लेने के बाद इसके बेड़े में शामिल होने वाला यह पहला 'विशेष जरूरतों के हिसाब से बना' ड्रीमलाइनर है।

यह विमान एक फरवरी से मुंबई-फ्रैंकफर्ट मार्ग पर व्यावसायिक परिचालन शुरू करेगा। इस विमान में कुल 296 सीटें हैं, जिनमें 30 बिजनेस क्लास, 28 प्रीमियम इकोनॉमी और 238 इकोनॉमी क्लास की सीटें शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि इनमें से इकोनॉमी क्लास की 18 सीटें तब तक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं होंगी, जब तक कि संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) अपनी मंजूरी नहीं दे देता।

एयरलाइन के एक प्रवक्ता के दिए बयान में कहा कि नया बी 787-9 कुछ सीमाओं के साथ एक फरवरी से परिचालन में आएगा। प्रवक्ता ने कहा, ''हमारे बिजनेस क्लास सुइट्स के 'स्लाइडिंग प्राइवेसी' दरवाजे सुरक्षित रूप खुले होंगे और यात्रियों के उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, क्योंकि इस विशिष्ट सुविधा को अभी नियामक मंजूरी मिलनी बाकी है। हमें निकट भविष्य में आवश्यक मंजूरी मिलने की उम्मीद है। सीटों के अन्य सभी फीचर्स यात्रियों के लिए उपलब्ध हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''इकोनॉमी क्लास की कुल 18 विशिष्ट सीटों को बुकिंग के लिए रोक दिया गया है और इसका उपयोग नहीं किया जाएगा।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि सीट उत्पाद (रिकारो 3710) पूरी तरह प्रमाणित है और दुनिया भर की कई एयरलाइनों में नियमित उपयोग में है, लेकिन इन 18 खास सीटों को लेकर एक नियामक व्याख्या का मामला है, जिसे हल करने के लिए हम निर्माता और नियामक के साथ काम कर रहे हैं। पूरी तरह प्रमाणीकरण मिलने के बाद ही इन्हें बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।'' संपर्क करने पर एफएए के प्रवक्ता ने कहा, ''हम विचाराधीन प्रमाणन कार्य पर टिप्पणी नहीं करते हैं।'' वहीं बोइंग की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई।

प्रभास जैसे हैं, वैसे ही रहते हैं : निधि अग्रवाल

मुंबई। साउथ सिनेमा के सुपर स्टार प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी। न तो क्रिटिक्स की ओर से फिल्म को खास रिव्यू मिले और न ही बॉक्स ऑफिस पर यह कोई बड़ा कमाल दिखा पाई। फिल्म के कमजोर प्रदर्शन के बीच अब प्रभास की को-स्टार निधि अग्रवाल ने अभिनेता के बॉक्स ऑफिस रिजल्ट को लेकर नजरिए पर खुलकर बात की है और बताया है कि प्रभास इन आंकड़ों को किस तरह देखते हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान निधि अग्रवाल ने कहा कि प्रभास को एक अभिनेता के तौर पर सिर्फ एक्टिंग और अच्छी परफॉर्मेंस देने में दिलचस्पी है। उन्होंने बताया कि प्रभास को जजमेंट्स, इंडस्ट्री के गेम्स और पॉलिटिक्स बिल्कुल पसंद नहीं है। निधि के मुताबिक, प्रभास बेहद सादे और सीधे इंसान हैं, जिनमें किसी तरह की फेकनेस नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रभास जैसे हैं, वैसे ही रहते हैं, न कोई चालाकी और न ही दिखावा। निधि ने प्रभास के स्वभाव को बच्चों जैसा बताते हुए कहा कि उनके साथ काम करके उन्हें एहसास हुआ कि इतने बड़े स्टार होने के बावजूद वह बेहद सॉफ्ट और स्वीट इंसान हैं। उन्होंने कहा कि प्रभास को देखकर अक्सर उनके मन में यह सवाल आता है कि क्या कोई इतना सरल और मासूम भी हो सकता है। निधि के मुताबिक, प्रभास में न कोई पॉलिटिक्स है और न ही किसी तरह की रणनीति, वह बस अपने काम से काम रखते हैं। फिल्म के रिजल्ट को लेकर प्रभास के रवैये पर बात करते हुए निधि ने कहा कि वह एक बेहद प्यारे इंसान हैं। उनसे एक बार मिलने के बाद यह भूलना आसान हो जाता है कि वह 25 साल से इंडस्ट्री में हैं और इतने बड़े स्टार हैं। निधि ने बताया कि प्रभास कमर्शियल माइंडसेट वाले इंसान नहीं हैं और उनकी कोई बड़ी पीआर टीम भी नहीं है। उनसे मिलकर ऐसा लगता है जैसे किसी पांच साल के बच्चे से बातचीत हो रही हो। उन्होंने कहा कि वह प्रभास की बहुत इज्जत करती हैं क्योंकि वह फिल्म के रिजल्ट से खुद को अलग रखते हैं। बॉक्स ऑफिस हिट या फ्लॉप से उन्हें ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, वह बस अपना काम करते हैं और हर बार अपना बेस्ट देने की कोशिश करते हैं।

तापसी पन्नू

की फिल्म 'अस्सी' का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'अस्सी' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्मकार अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' एक ऐसा सवाल उठाती है, जो हर दिन हमारे सामने होता है, लेकिन जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। मोशन पोस्टर के ज़रिए जैसे-जैसे फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आ रही है, वैसे-वैसे इसके इरादे पूरी तरह स्पष्ट होते जा रहे हैं। टी-सीरीज़, अपनी विविधतापूर्ण फिल्मोग्राफी में 'अस्सी' के जरिए एक नया रंग जोड़ता है। बनारस मीडिया वर्क्स के प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म में तापसी पन्नू मुख्य भूमिका में नज़र आएँगी। उनके साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, ज़ीशान अय्यूब अहम भूमिकाओं में हैं, जबकि नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा भार्गव विशेष भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म 'अस्सी' एक बेबाक और सघन इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर है, जो एक तीव्र और प्रभावशाली कोर्टरूम ड्रामा के जरिए सामने आती है। फिल्म खत्म होने के बाद मन में सवाल रह जाता है कि क्या मुझे यह पहले नहीं पता था,या फिर पता होते हुए भी मैंने नज़रअंदाज कर दिया।न्याय जरूरी है, लेकिन उससे पहले न्याय की परिभाषा तय होनी चाहिए। क्या दोषी साबित किए गए लोग ही असली गुनहगार हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत और बनारस मीडियावर्क्स प्रोडक्शन की फिल्म 'अस्सी' को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने निर्मित किया है।अनुभव सिन्हा निर्देशित यह फिल्म 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

मेरे और अहान पांडे के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं: अहान शेट्टी

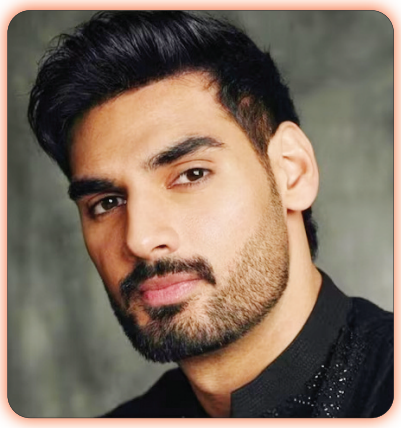

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेटटी अपनी अगली फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर सुर्खियों में हैं, तो सोशल मीडिया पर उनकी तुलना 'सैयारा' फेम अभिनेता अहान पांडे से की जा रही है। इस तुलना पर अहान शेट्टी ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए साफ कहा है कि उनके और अहान पांडे के बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं है और वह उनके संघर्ष और मेहनत का पूरा सम्मान करते हैं। एक इंटरव्यू में अहान शेट्टी ने सोशल मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में 2-3 सेकंड की क्लिप्स के आधार पर लोग राय बना लेते हैं और उसी पर रिएक्ट करने लगते हैं। उनकी पीढ़ी के कलाकारों को अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया जाता है। अहान ने स्वीकार किया कि उन्हें पता है कि उनकी तुलना अहान पांडे से हो रही है, लेकिन वह उन्हें निजी तौर पर जानते हैं और यह भी जानते हैं कि उन्होंने अपनी फिल्म और किरदार की तैयारी के लिए कितनी मेहनत की है। अहान के मुताबिक, दोनों के करियर अलग-अलग हैं और एक-दूसरे के लिए उनके मन में सम्मान है, जो सामने आना चाहिए। अहान शेट्टी ने आगे कहा कि पूरी इंडस्ट्री एक है, लेकिन सोशल मीडिया ने कलाकारों को बांटने का काम किया है। इसी वजह से आज एक-दूसरे के लिए सपोर्ट कम दिखाई देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तुलना से ज्यादा जरूरी है कि कलाकार एक-दूसरे की मेहनत और सफलता को सराहें। अपने करियर की शुरुआत और नेपोटिज्म डिबेट पर बात करते हुए अहान ने कहा कि उन्होंने 2021 में फिल्म 'तड़प' से डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ तारा सुतारिया नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाई, जिसके बाद उन्हें नेपोकिड होने के ताने भी सुनने पड़े। अहान ने माना कि यह सफर आसान नहीं रहा, लेकिन उन्होंने हमेशा इस सच्चाई को स्वीकार किया कि उनके पिता एक अभिनेता हैं और वह खुद भी अभिनय करना चाहते थे।